गैरसैंण, सोमवार
12 फरवरी 2024
वर्षः 14
अंकः 269 पृष्ठः 8
मूल्यः 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

हल्द्वानी के बनभूलपुरा में हुए दंगों का मास्टरमाइंड अब्दुल मलिक दिल्ली से गिरफ्तार

देहरादून। हल्द्वानी के बनभूलपुरा में हुए बवाल के मास्टरमाइंड बताए जा रहे अब्दुल मलिक को गिरफ्तार कर लिया गया है। सूत्रों के अनुसार, दिल्ली और उत्तराखंड पुलिस की संयुक्त टीम ने मलिक को दिल्ली में गिरफ्तार किया है। हालांकि अभी पुलिस अधिकारी इस मामले में कुछ भी कहने से बच रहे हैं। वहीं, पुलिस अभी तक धरपकड़ करते हुए 60 से ज्यादा लोगों को हिरासत में ले चुकी है। सर्च ऑपरेशन चलाकर दो निर्वतमान पार्षद समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, बताया जा रहा है कि अब्दुल मलिक को भी आज पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है।हल्द्वानी में हिंसा की घटना के बाद से बंद इंटरनेट सुविधा आज रविवार को बहाल कर दी गई है। उत्तराखंड पुलिस ने अपने एक्स पेज पर पोस्ट करते हुए लिखा 'यदि कोई भी व्यक्ति सांप्रदायिक सौहार्द एवं कानून व्यवस्था को प्रभावित करने संबंधी भड़काऊपोस्ट, फोटो, वीडियो या कमेंट सोशल मीडिया में प्रसारित करेगा उसके विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।'प्रशासन ने प्रभावित इलाकों को छोड़कर शहर के शेष हिस्से से कर्फ्यू हटा लिया है। डीएम वंदना ने बताया कि संपूर्ण बनभूलपुरा क्षेत्र आर्मी (कैंट) वर्कशॉप लाइन, तिकोनिया– तीनपानी गौलापार बाईपास का क्षेत्र छोड़कर पूरे शहर को कर्फ्यू मुक्त कर दिया गया है।

एमपी में पीएम मोदी ने भरी हुंकार

नई दिल्ली ,मध्य प्रदेश के झाबुआ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को चुनावी हुंकार भरी और कांग्रेस की जमकर क्लास लगाई। उन्होंने कहा कि 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की छुट्टी हुई, अब 2024 के लोकसभा चुनाव में भी सफाया होना तय है। प्रधानमंत्री ने कहा, यहां आपके बीच आने से पहले मैंने देखा कि मेरी इस यात्रा को लेकर खूब चर्चाएं भी हो रही हैं, तरह–तरह की बातें लिखी और बोली जा रही हैं। कुछ लोग कह रहे हैं कि मोदी मध्य प्रदेश में झाबुआ से लोकसभा की लड़ाई का आगाज करेंगे। मैं बताना चाहता हूं कि मोदी लोकसभा चुनाव के प्रचार के लिए नही आया है। मोदी तो सेवक के तौर पर ईश्वर स्वरूप एमपी की जनता–जनार्दन का आभार जताने आया है। पीएम मोदी ने कहा, मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव के नतीजे से आप पहले ही बता चुके हैं कि लोकसभा के लिए आपका मूड क्या रहने वाला है। एमपी ने यह भी बता दिया है भाजपा की डबल इंजन सरकार के प्रति जनसमर्थन लगातार बढ़ता जा रहा है इसलिए इस बार विपक्ष के बड़े–बड़े नेता पहले से ही नेता संसद में बोलने लगे हैं – 2024 में 400 पार।

महंगे सफर के लिए रहें तैयार यात्री

देहरादून। उत्तराखंड में सफर करने के लिए यात्रियों को अब अधिक रुपये चुकाने होंगे। कॉमर्शियल वाहनों के टैक्स में 10 फीसदी तक इजाफे के साथ यात्री किराये में बढ़ोतरी होगी।

इसका सीधा असर किराया और मालभाड़े पर दिखेगा। सूत्रों के अनुसार, सरकार के फैसले के बाद से परिवहन कारोबारी भी टैक्स वृद्धि के आधार पर किराये की नई दर तय करने लगे हैं। प्राइवेट बस, टैक्सी, मैक्सी, ऑटो–विक्रम वाले किराया बढ़ा सकते हैं। वर्तमान में किराया बढ़ोतरी का फैसला राज्य परिवहन प्राधिकरण के स्तर से होता है। लेकिन, इसमें दो से चार साल तक वक्त लगता है। परिवहन कारोबारी किराया वृद्धि को टैक्स वृद्धि के फॉर्मूले के साथ जोड़ने की मांग उठा रहे हैं। पिछले साल एसटीए ने इस पर सहमति देकर सालाना किराया बढ़ोतरी की व्यवस्था पर काम शुरू किया था।उप–आयुक्त राजीव मेहरा की अध्यक्षता में समिति भी बनाई गई थी। लेकिन, यह समिति अब तक किराया बढ़ोतरी का फॉर्मूला तय नहीं कर पाई है। माना जा रहा कि वर्ष 2025–26 से टैक्स में पांच प्रतिशत नियमित बढ़ोतरी की व्यवस्था के साथ किराया बढ़ोतरी को इसी क्रम में लागू किया जा सकता है।

ऑटो–विक्रम का टैक्स बढ़ाया, सिटी बसों को छूट बरकरार

देहरादून। सरकार ने सिटी बसों को मोटरयान टैक्स में मिलने वाली शत–प्रतिशत छूट बरकरार रखी है। जबकि, ऑटो और विक्रम के टैक्स में बढ़ोतरी की गई।उत्तराखंड में नगर निगम या नगर पालिका की सीमा के भीतर या उप नगरीय क्षेत्रों में चलने वाली सिटी बस (मंजिली गाड़ी) को टैक्स में शत–प्रतिशत छूट मिलती है। इस बार भी इस छूट को बरकरार रखा गया। इससे मंजिली गाड़ी यानी सिटी बस और मैजिक स्वामियों को लाभ मिलेगा। क्योंकि, मैजिक को भी हाल ही में मंजिली गाड़ी की श्रेणी में रखा गया। लेकिन, ऑटो और विक्रम का टैक्स बढ़ाया गया है। ऑटो का तिमाही टैक्स अब तक प्रति सीट 230 रुपये था, जिसे बढ़ाकर 255 रुपये कर दिया गया है। विक्रम का तिमाही टैक्स प्रति सीट 280 रुपये से बढ़ाकर 310 रुपये किया गया। अकेले, देहरादून में करीब 2300 ऑटो–रिक्शा और 500 से ज्यादा विक्रम चल रहे हैं। विकासनगर, डोईवाला, ऋषिकेश, हरिद्वार, रुड़की के साथ कुमाऊंके शहरी क्षेत्रों में भी ऑटो–विक्रम चलते हैं, जिनको अब ज्यादा टैक्स चुकाना होगा।

मैदान के अलाभकारी रूटों पर टैक्स एक चौथाई होगा

उत्तराखंड में निजी कॉमर्शियल यात्री वाहनों के टैक्स में नौ से 10 फीसदी तक बढ़ोतरी की गई है। 12 सीट से अधिक क्षमता वाली गाड़ी को मासिक तौर पर 125 की जगह 135 रुपये, तिमाही 350 की बजाय 385 रुपये और सालाना 1300 की बजाय 1430 रुपये देने होंगे। मंजिली गाड़ियों के लिए हर 1500 किलोमीटर तक की दूरी के लिए मैदानी मार्ग पर मासिक 100 रुपये की जगह 110 रुपये देने होंगे। तिमाही में यह राशि 330 रुपये और सालाना 1210 रुपये हो जाएगी। पहाड़ी रूट पर तीनों श्रेणियों में यह राशि 50% कम रहेगी। जबकि, उत्तराखंड में चिह्नित अलाभकारी रूट पर मैदानी मार्गों के लिए तय शुल्क का केवल चौथाई भाग ही देना होगा। 1500 किलोमीटर से आगे हर एक किमी के लिए मासिक चार की बजाय पांच पैसे देने होंगे। तिमाही राशि तीन गुना और सालाना ग्यारह गुना हो जाएगी। इसी प्रकार उत्तराखंड के भीतर 16 किलोमीटर तक की दूरी तक चलने वाले वाहनों को प्रति सीट मासिक 75 की बजाय 85, तिमाही 210 की बजाय 230 और सालाना 775 की बजाय 850 रुपये देने होंगे।

इस तरह बढ़ेगा टैक्स

ड्राइविंग सेंटर–स्कूल वाहन किराये में 10% वृद्धि

ड्राइविंग स्कूलों के वाहनों को प्रत्येक मीट्रिक टन भार के लिए 550 की बजाय 600 और सालाना 2000 की जगह 2200 रुपये देने होंगे। शिक्षण संस्थानों की बस या कैब की प्रत्येक सीट के लिए तिमाही 100 की जगह 110 और सालाना 375 की जगह 410 रुपये चुकाने होंगे। निजी सेवा वाहन की प्रत्येक सीट के लिए तिमाही 175 की जगह 190 और सालाना 600 की जगह 660 रुपये देने होंगे।

आज देहरादून पहुंचेंगे रक्षामंत्री राजनाथ सिंह

देहरादून। 12 फरवरी को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का देहरादून दौरा प्रस्तावित है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के दौरे को लेकर पुलिस–प्रशासन तैयारियों में जुट गया है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के कार्यक्रम के मद्देनजर सुरक्षा में नियुक्त किये गये सभी अधिकारियो को आज एसएसपी ने ब्रीफ किया। ब्रीफिंग के दौरान कार्यक्रम के लिए किये गये सुरक्षा प्रबन्धों की समीक्षा करते हुए वर्तमान सुरक्षा मद्देनजर सभी अधिकारियो को सतर्क रहने के लिए निर्देशित किया गया।

ड्यूटी में नियुक्त पुलिस बल को निर्देशित किया कि ड्यूटी के दौरान मोबाइल फोन का उपयोग न किया जाए। न ही बिना बताये अपने ड्यूटी प्वांईट को छोडा जाये। ड्यूटी के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बरतने पर सम्बन्धित के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जायेगी। साथ ही

वीआईपी रुट प्रभारी को निर्देशित किया कि वीआईपी कार्यक्रम से पहले ही पूरा रुट व्यवस्था का निरीक्षण कर मार्ग में हो रहे निर्माण कार्यों को समय से पूरा करने के लिए संबंधित कार्यदायी संस्था से संपर्क कर निर्देशित करें। कार्यक्रम स्थल और वीआईपी रूट पर कोई गलती न हो उसके लिए सुरक्षा व्यवस्था करने निर्देश दिए गए हैं।

बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने की प्रक्रिया शुरू, नृसिंह मंदिर में हुई गाडूघड़ा पूजा

नई टिहरी। चारधाम यात्रा 2024 के लिए बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। आज रविवार को गाडूघड़ा (तेल–कलश) नृसिंह मंदिर जोशीमठ से पूजा अर्चना के बाद योग बदरी पांडुकेश्वर के लिए रवाना हो गया है। पांडुकेश्वर में कुबेर महायज्ञ और श्रीमदभागवत कथा में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने तेल कलश का स्वागत किया।

बता दें कि बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि नरेंद्र नगर स्थित राजदरबार में बसंत पंचमी(14 फरवरी) को तय होनी है। बदरीनाथ– केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने कहा कि बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने की तैयारियां शुरू हो गई हैं।14 फरवरी को सुबह दस बजे से धार्मिक समारोह शुरू हो जाएगा। इसी दिन तेल कलश यात्रा की भी तिथि तय की जाएगी। सबसे पहले डिमरी

धार्मिक केंद्रीय पंचायत द्वारा गाडू घड़ा राजमहल को सौंपा जाएगा। इसके बाद राजमहल से तेल कलश में तिलों का तेल पिरोकर कपाट खुलने से पूर्व बदरीनाथ धाम रवाना होगा।इस दिन तय होगी केदारनाथ मंदिर के कपाट खुलने की तिथि

केदारनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि शुक्रवार आठ मार्च शिवरात्रि के अवसर पर पंच केदार गद्दस्थल ओकारेश्वर मंदिर उखीमठ(रूद्रप्रयाग) में विधि–विधान पंचांग गणना पश्चात तय होगी।

मुख्यमंत्री धामी के लोहाघाट रोड शो में उमड़ा जन सैलाब

▶मुख्यमंत्री ने जनपद विकास हेतु 1 अरब 62 करोड़ 15 लाख, 76 हजार (16215.76) की कुल 45 योजनाओं का किया लोकार्पण, शिलान्यास ▶मातृ शक्ति है राज्य विकास की धुरी : सीएम धामी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी रविवार को मातृ–शक्ति को समर्पित ह्लसंगज्यू–2024ह्व कार्यक्रम में जनपद चंपावत के लोहाघाट पहुंचे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राजकीय इंटर कॉलेज लोहाघाट से रामलीला मैदान लोहाघाट तक विशाल रोड शो में प्रतिभाग किया। रोड शो में हज़ारों की संख्या में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से जनता पहुंची जनता ने पुष्प वर्षा कर प्रदेश के मुख्यमंत्री का भव्य स्वागत किया। मुख्यमंत्री धामी ने रोड शो के दौरान लोगों

का अभिवादन स्वीकार किया।

कार्यक्रम के दौरान पहाड़ की संस्कृति की झलक देखने को मिली। जिसमें सांस्कृतिक दलों और छोलिया नृत्य, स्थानीय जनता द्वारा ढोल दमाऊबजाकर व पारंपरिक परिधानों में सज धज कर महिलाओं ने फूल बरसाकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इससे पूर्व महिला पुलिस द्वारा मुख्यमंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।मातृशक्ति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य पर आधारित कार्यक्रम संग्ज्यू – 2024 के दौरान महिला पीआरडी, एनसीसी, एनएसएस व नर्सिंग कॉलेज की महिलाओं,बालिकाओं के अतिरिक्त विभिन्न विद्यालयों की छात्राएं व स्वयंसेवी संस्थाओं की महिलाओं द्वारा मुख्यमंत्री जी का स्वागत किया गया।

मुख्यमंत्री जी ने देवी शक्ति स्वरूप 9 कन्याओं का पूजन किया तथा आशीर्वाद प्राप्त कर प्रदेश की सुख, शांति व समृद्धि की कामना की।इस दौरान जनपद चंपावत के विभिन्न विकास खण्डों में गठित सहकारिताओं एवं समूहों की महिलाओं द्वारा उत्पादित उत्पादों एवं अन्य विभागों एनआरएलएम, पशुपालन, महिला डेयरी,दुग्ध संघ, उद्यान आदि परियोजनाओं के स्टाल लगाए गए थे।

धारावाली में मिले शव के मामले का पुलिस ने किया खुलासा , दोस्तों ने की थी हत्या , गिरफ्तार

देहरादून। पटेलनगर क्षेत्र के धारावाली में मिले शव के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। यह शव हत्या कर फेंका गया था। इस हत्या को अंजाम युवक के दोस्तों ने ही दिया था। पुलिस की मानें तो सिगरेट मांगने को लेकर विवाद हुआ था। जिसके बाद उसके दोस्तों में खून सवार हो गया और तालाब में डूबोकर उसकी हत्या कर दी। साथ ही घटना को अंजाम देने के बाद शव को छिपाने के लिए उसके ऊपर पत्थर रख दिए। अब युवक के दोनों दोस्तों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।बता दें कि बीती 8 फरवरी को पटेलनगर कोतवाली क्षेत्र के धारावली में मंदिर के पीछे खाली प्लॉट में बरसाती पानी में एक युवक का शव पत्थरों के नीचे दबा हुआ मिला था। पुलिस की जांच में युवक की हत्या किए जाने की जानकारी मिली थी। पुलिस ने युवक की पहचान रोहित निवासी धारावाली, देहरादून के रूप में की थी। पुलिस की पूछताछ में परिजनों ने बताया था कि युवक 7 फरवरी की सुबह मजदूरी के लिए घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। इसके बाद युवक के भाई सोनू सैनी ने पुलिस में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की थी।

वहीं, एसएसपी अजय सिंह ने खुद घटनास्थल पर जाकर जानकारी जुटाई। साथ ही जल्द से जल्द खुलासा करने के निर्देश दिए। जिसके बाद पुलिस टीम की गठन की गई। गठित टीम ने घटना के संबंध में आसपास के लोगों और युवक के परिचितों से जानकारी जुटाई। जिसमें पता चला कि रोहित रात में घटनास्थल के आसपास अपने साथियों अंकित उर्फ माठू और दिलखुश उर्फ बाला के साथ देखा गया था।घटनास्थल के पास ही उनके आपस में विवाद होने की जानकारी मिली। जिस पर युवकों के बारे में जानकारी ली गई तो पता चला कि घटना के बाद से ही दोनों अपने घर से फरार हो गए हैं। जिस पर दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए मुखबिर को सक्रिय किया गया। मुखबिर की सूचना पर आज आरोपी दिलखुश उर्फ बाला को भुत्तोवाला और अंकित उर्फ माठू को मुरादाबाद से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी दिलखुश ने बताया कि वो ट्रांसपोर्ट नगर में सेल्समैन का काम करता है। 7 फरवरी की रात करीब 8:30 बजे वो अपने साथी अंकित उर्फ माठू, जो दिहाड़ी मजदूरी करता है, उसके साथ शराब पीने के लिए घटनास्थल के पास एक मैदान में गया।

सामाजिक पंचायत में की हल्द्वानी हमले की निंदा

हरिद्वार। शिवालिक नगर प्रदेश कार्यालय पर राष्ट्रीय व्यापार मंडल ने सामाजिक पंचायत आयोजित की। जिसमें हल्द्वानी में उपद्रवियों द्वारा किए गए हमले की निंदा की गई।

इस दौरान घायल पुलिस जवानों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की गई। वहीं सरकार से घायल पुलिस कर्मियों को पांच लाख रुपये और राज्य या केंद्र सरकार का साहसिक पुरस्कार दिए जाने की मांग की गई। रविवार को आयोजित पंचायत को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष संजीव चौधरी ने कहा की हमारी पुलिस ने साहस के साथ उपद्रवियों का सामना किया। देवभूमि में इस प्रकार पुलिस पर हमला होना दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। संवेदनशील स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों को हथियार के साथ भेजा जाना चाहिए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने साहस के साथ पुलिस का साथ दिया और गोली मारने का आदेश देकर कड़ा संदेश दिया है। पुलिस हमारी आन, बान और शान है। पुलिस पर हमला पूरे प्रदेश की जनता पर हमला है। हमला करने वालों को बख्शा नहीं जाना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

रुड़की में आग से रेडीमेड कपड़ों का शोरूम राख

रुड़की। आग लगने से रेडीमेड कपड़ों के शोरूम में लाखों का माल राख हो गया। सूचना मिलने पर अग्निशमन के कर्मचारी मौके पर पहुंचे थे। आशंका है कि शॉर्ट सर्किट शोरूम में आग लगी थी। आग पर काबू पाने के लिए अग्निशमन के कर्मचारी दो वाहन लेकर पहुंचे थे। सूचना मिलने पर अग्निशमन के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। अग्निशमन के कर्मचारियों ने करीब 15–20 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। लेकिन तब तक रेडीमेड शोरूम के कपड़ों में लाखों का नुकसान हो चुका था। आशंका है कि शॉर्ट सर्किट से आग लगी है। हालांकि अग्निशमन विभाग आग लगने की जांच पड़ताल कर रहा है।

गलत साइड आने वाले वाहन चालक बढ़ा रहे दुर्घटनाएं

रुड़की। व्यापार मंडल पदाधिकारियों ने यातायात पुलिस निरीक्षक से मिलकर नगर की यातायात व्यवस्था में सुधार करने की बात कही है। उन्होंने नगर के भीड़भाड़ वाले चौक चौराहों पर बेतरतीब तरीके से दौड़ रहे वाहनों पर नाराजगी जताई। साथ ही, बाजारों में ई–रिक्शाओं पर भी रोक लगाने की बात कही।प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के पदाधिकारियों ने रविवार को यातयात निरीक्षक जगदीश पंत से शहर की यातायात व्यवस्था को लेकर वार्ता की। प्रदेश उपाध्यक्ष प्रमोद जौहर ने कहा कि शहर के कई चौराहों पर गलत साइड आने वाले वाहन चालक दुर्घटनाओं का सबब बन रहे हैं। इससे जाम की समस्या भी बन रही है। उन्होंने ऐसे चालकों को जागरूक करने के लिए अभियान चलाने की मांग की।

दुर्घटना में बाइक सवार एक युवक की मौत, दूसरा गंभीर

रुड़की। अज्ञात ट्रक की चपेट में आकर बाइक सवार 25 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि उसका दूसरा साथी गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती है। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनो को सौंप दिया है। इसमें कार्रवाई के लिए पुलिस तहरीर का इंतजार कर रही है। लक्सर कोतवाली के अकोढा खुर्द गांव निवासी युवक आकाश (25 वर्ष) पुत्र तेलूराम शनिवार को अपने पड़ोसी जसवीर पुत्र धर्मपाल के साथ किसी काम से बाइक पर रायसी की तरफ गए थे। रात 9 बजे के आसपास वे घर वापस आ रहे थे।

रायसी से आगे सैदाबाद गांव के चौराहे के आसपास एक ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

श्रमजीवी पत्रकार यूनियन हरिद्वार इकाई ने की हल्द्वानी में पत्रकारों संग हुए दुर्व्यवहार और हमले की कड़े शब्दों में निंदा

हरिद्वार। हल्द्वानी के बनभूलपुरा में हुए उपद्रव के दौरान कवरेज किए गए पत्रकार साथियों पर हुए हमले और उनके वाहनों को क्षति पहुंचाए जाने की हरिद्वार श्रमजीवी पत्रकार यूनियन हरिद्वार इकाई ने कड़ी निंदा की है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से घायल पत्रकारों को उचित मुआवजा और क्षतिग्रस्त – वाहनों की क्षतिपूर्ति तत्काल दिए जाने की मांग की है। सभी पत्रकारों ने एक स्वर में घायल पत्रकारों को सुरक्षा मुहैया कराए जाने की भी मांग पुरजोर तरीके से उठाते हुए सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौपा है। सौपे गए ज्ञापन में श्रमजीवी पत्रकार यूनियन हरिद्वार इकाई ने पत्रकारों के साथ हुए दुर्व्यवहार और हमले की कड़े शब्दों में निंदा की। इस दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को संबोधित ज्ञापन हरिद्वार सिटी मजिस्ट्रेट कुसुम चौहान को सौंपे ज्ञापन के माध्यम से श्रमजीवी पत्रकार यूनियन ने सीएम से हल्द्वानी हिंसा में घायल हुए पत्रकारों और उनके क्षतिग्रस्त वाहनों के एवज में तत्काल उचित मुआवजा देने के साथ ही पत्रकारों को सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की है। ज्ञापन सौंपने वालों में श्रमजीवी पत्रकार यूनियन हरिद्वार इकाई के जिलाध्यक्ष ज्ञान प्रकाश पाण्डेय ,कोषाध्यक्ष पंकज स्वनी।

रचनाएं पेश कर कवियों ने लूटी वाहवाही

विकासनगर। साहित्य संगम पछुवादून की ओर से काव्य गोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें कवियों ने वर्तमान सामाजिक, राजनैतिक कुरीतियों पर तंज कसे, तो कुछ कवियों ने श्रृंगार रस धारा का प्रवाह किया। काव्य गोष्ठी की शुरुआत करते हुए संतोष गोयल राजवंशी ने कहा, तू सवालों की तरह है, मैं जवाबों की तरह, तू है ताबीर मेरी, मैं तेंरे ख्वाबों की तरह..., राशिद राही ने ह्यकुदरत ने वस्क बख्शा है यारो कपास में, शामिल है रेशा रेशा हमारे लिबास में..., कविता पढ़कर वाहवाही लूटी। डॉ. मदनपाल बिरला गजब ने ह्यज्ञानदाती शारदे मां, तेरी वंदना हम गाएं, अज्ञानता मिटाकर सदभावना जगाएं... कविता से समाज में भाईचारा बनाए रखने का संदेश दिया। श्रृंगार रस की कवियत्री नीलम शर्मा ने ह्य हमारी बात का उस पर असर नहीं होता, इसी से साथ में हमारा बसर नहीं होता, उसे चाहने वाले बहुत हैं दुनिया में, बगैर उसके मेरा गुजर नहीं होता... कविता से प्रेम की रसधारा का प्रवाह किया। सरस्वती उनियाल ने ह्यराम नाम की ज्योति जलाकर, दीप जलाऊं गली गली, ओढ़ चुनरिया राम नाम की, मैं तो अवध की ओर चली..., कविता पढ़कर माहौल में भक्ति रस घोल दिया। इसके साथ ही पवन शर्मा, आबिद अनवर, मीनाक्षी, सुधा भारद्वाज, सुरेश भारती, दीनानाथ, डॉ. कामेश्वर प्रसाद डिमरी, पवन भार्गव आदि कवियों ने भी अपनी कविताओं के माध्यम से श्रोताओं के मन को छू लिया।

महाशिवरात्रि पर नौ मार्च को निकलेगी शोभायात्रा

ऋषिकेश। चंद्रेश्वर मंदिर में 8 से 10 मार्च तक महाशिवरात्रि महोत्सव मनाया जाएगा। इसके तहत 9 मार्च को शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा में श्री राम दरबार और महादेव डमरू नृत्य आकर्षण का केंद्र रहेंगे। रविवार को श्री चंद्रेश्वर मंदिर सेवा समिति ने मंदिर प्रांगण में बैठक आयोजित की।

समिति अध्यक्ष राकेश बर्त्वाल ने कहा कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी मंदिर में महाशिवरात्रि धूमधाम से मनाई जाएगी। कहा कि 8 मार्च को महाशिवरात्रि पर्व पर पूजन, 9 मार्च को शोभायात्रा और 10 मार्च को भंडारे का आयोजन किया जाएगा। कहा कि 9 मार्च को होने वाली शोभायात्रा को भव्य बनाने के लिए कई प्रकार की झांकियां बुलाई गई हैं। इसमें प्रमुख रूप से श्री राम दरबार, महादेव डमरू नृत्य आदि झांकिया शामिल होंगी। यह शोभायात्रा पूरे शहर में निकाली जाएगी। मौके पर गौरव अग्रवाल, ललित अग्रवाल, नवीन अग्रवाल, सुग्रीव यादव, किशन मोहन विश्वकर्मा, सुखराम धीमान, कमल, संदीप कुमार, सुनील आदि उपस्थित रहे।

पछुवादून में कांग्रेस ने निकाली नशामुक्त रैली

विकासनगर। पछुवादून में नशा उन्मूलन के लिए कांग्रेस की ओर से चलाए जा रहे अभियान के तहत रविवार को विकासनगर में रैली निकाली गई। रैली में पूर्व काबिना मंत्री नवप्रभात समेत सभी नेताओं ने भाजपा सरकार पर शब्द बाणों से हमला बोला। पहाड़ी गली से शुरु हुई रैली डाकपत्थर तिराहे तक पहुंची। पूर्व मंत्री नवप्रभात ने कहा कि मादक पदार्थों के कारोबारी युवाओं और श्रमिकों को निशाना बना रहे हैं। मां बाप अपने बच्चों को शिक्षा के लिए उच्च शिक्षण संस्थानों में भेज रहे हैं, लेकिन वहां उन्हें नशे की लत पड़ रही है। शिक्षण संस्थानों के अंदर तक नशे के कारोबारी अपनी पहुंच बना चुके हैं। उन्होंने कहा कि सरकार नशे के मुद्दे को गंभीरता से नहीं ले रही है, जिससे हजारों युवाओं का भविष्य बर्बाद हो रहा है।पूर्व मंत्री ने कहा इस सच से सभी को परिचित होना चाहिए कि नशीले पदार्थों का अवैध कारोबार करने वाले केवल युवाओं को नशे का लती बनाकर उनके और साथ ही देश के भविष्य को ही चौपट नहीं कर रहे हैं, बल्कि इस काले कारोबार से अर्जित धन का इस्तेमाल तमाम तरह की देश विरोधी गतिविधियों को संचालित करने और संगठित अपराध के साथ–साथ आतंकवाद को खाद–पानी देने के लिए भी कर रहे हैं।कहा कि गांव, शहर में युवाओं में नशे की लत बढ़ती जा रही है। लोगों को घर बैठे आसानी से सस्ते दाम में मादक पदार्थ उपलब्ध हो जाते हैं। स्मैक की घर–घर में सप्लाई हो रही है। नशे के सौदागरों पुलिस की पकड़ से भी कोसों दूर हैं। पुलिस नशे से बचाव के लिए शिक्षण संस्थानों में जागरूकता अभियान चला रही है, लेकिन उन शिक्षण संस्थानों तक नशे को पहुंचाने वालों के खिलाफ मौन साधे रहती है। पूर्व मंत्री ने आरोप लगाया कि कि भाजपा सरकार के ढीले–ढाले रवैए और पुलिस प्रशासन की लापरवाही के कारण नौजवान स्मैक जैसे नशीले पदार्थ की गिरफ्त में फंस कर अपना जीवन बर्बाद कर रहे हैं। पुलिस नशीले पदार्थ की बिक्री पर रोक नहीं लगा रही। नशे के प्रचलन पर रोक लगाने और सरकार की नाकामी को देखते हुए कांग्रेस ने पछुवादून को नशा मुक्त करने का बीड़ा उठाया है।

सड़क दुर्घटना में सैनिक की मौत, पत्नी व बच्चा घायल

रविवार को सिम्मलचौड़ के समीप तेज रफ्तार बाइक ने मारी टक्कर

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः कोटद्वार व भाबर के मध्य सिम्मलचौड़ में बाइक व स्कूटी की आपसी भिडंत में एक सैनिक की मौत हो गई। जबकि, सैनिक की पत्नी व बच्चे को उपचार के लिए राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार में भर्ती करवाया गया है।

रविवार दोपहर निंबूचौड़ निवासी संदीप नेगी अपनी पत्नी अंजली व तीन साल के बच्चे सात्विक के साथ बाजार से अपने घर की ओर जा रहा था। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने स्कूटी को टक्कर मार दी। दुर्घटना में संदीप उसकी पत्नी अंजली व तीन साल का बेटा सात्विक सड़क पर गिरकर घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने तीनों को आटो के माध्यम से राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने संदीप को मृत घोषित कर दिया। संदीप गढ़वाल राइफल में तैनात है। वह कुछ दिन पूर्व ही छुट्टी लेकर घर आए थे। रविवार को वह अपनी पत्नी व बच्चे को बाजार से खरीदारी करवाने के बाद घर वापस लौट रहा था। संदीप की मौत के बाद स्वजनों में कोहराम मचा हुआ है।

कार की चपेट में आया व्यक्ति, मौत

दुगड्डा ब्लाक के अंतर्गत फतेहपुर के समीप कार ने व्यक्ति को कुचल दिया। दुर्घटना में व्यक्ति की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, ग्राम तुसराणी निवासी सोहन सिंह रविवार को दुगड्डा से अपने बेटे आरव के बाल कटवाकर घर वापस लौट रहा था। इसी दौरान फतेहपुर के समीप पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार दोनों पिता-पुत्र सड़क पर गिर गए। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही कार ने सोहन सिंह का सिर कुचल दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

पूर्व सैनिक ने पास की यूसेट की परीक्षा

यूसेट की परीक्षा पास करने वाले पूर्व सैनिक राकेश भट्ट

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः तृतीय गढ़वाल राइफल्स के सेवानिवृत्त सैनिक राकेश भट्ट ने यू सेट परीक्षा उतीर्ण की है। उन्होंने यह बात भी साबित की है कि पढ़ाई की कोई उम्र नहीं होती। सेना से सेवानिवृत्त होने के बाद राकेश भट्ट यूसैट की कोचिंग ले रहे थे। इस उपलब्धि पर सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में उनको सम्मानित किया गया।वहीं डा. पीतांबर दत्त बड़थ्वाल राजकीय महाविद्यालय की एमएससी गणित तृतीय सेमेस्टर की छात्रा आश्रिति रावत पुत्री सत्येंद्र सिंह रावत ने भी प्रथम प्रयास में ही यू सेट परीक्षा उत्तीर्ण कर महाविद्यालय व क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

बहेडाखाल क्षेत्र में पेयजल संकट, ग्रामीणों में आक्रोश

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः जनपद पौड़ी गढ़वाल के विकास खंड कोट के सूदूरवर्ती क्षेत्र बहेडाखाल में पेयजल संकट बना हुआ है। ग्रामीणों को पानी के लिए इधर-उधर प्राकृतिक स्त्रोतों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। जलापूर्ति नहीं होने से राजकीय इंटर कॉलेज बहेडाखाल में मिड-डे मील योजना भी ठप हो गई है।

प्रधानाचार्य सुमेर चंद ने बताया गया कि विगत कई माह से विद्यालय में पानी नहीं आ रहा। जिससे मिड-डे मील योजना सहित विद्यालय के शिक्षक भी पानी की एक-एक बूंद को तरस रहे हैं। साथ ही क्षेत्र से जुड़े चोपड़ी गांव में भी जलापूर्ति बाधित चल रही है, जिससे स्थानीय ग्रामीणों को जलापूर्ति से जूझना पड़ रहा है। विगत दिनों दिन 28 जनवरी को स्थान बहेडाखाल में जनपद विकास समिति गढ़वाल की बैठक सम्पन्न हुई थी, जिसमें विद्यालय के प्रधानाचार्य सहित स्थानीय ग्रामीणों ने सुव्यवस्थित पेयजल की आपूर्ति ना होने से आक्रोश व्यक्त किया। जनपद विकास समिति गढ़वाल के अध्यक्ष एवं पूर्व प्रमुख मदन सिंह नयाल द्वारा इस सम्बन्ध अधिशासी अभियंता जल संस्थान पौड़ी को क्षेत्र की पेयजल समस्याओं से अवगत कराया गया। लेकिन, विभाग द्वारा इस ओर ध्यान नहीं दिया गया है। जिससे समस्या बनी हुई है, उन्होंने कहा कि इस प्रकार का उदासीन रवैया विभाग का ठीक नहीं है और जल जीवन मिशन की योजनाओं को भी विभाग द्वारा पलीता लगाने का काम किया जा रहा है। जिससे विभाग के प्रति असंतोष बढ़ता जा रहा है। समिति के अध्यक्ष द्वारा इस सम्बन्ध में जिलाधिकारी गढ़वाल से आग्रह किया गया है जल्द से जल्द समस्या का निराकरण किया जाएगा।

विद्यार्थियों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

केक काटकर समारोह का शुभारंभ करते प्रधानाचार्य व अन्य

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः नवयुग पब्लिक स्कूल मोटाढांक में 12 वीं के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान कार्तिक बिष्ट को मिस्टर व संजना रावत को मिस एनपीएस का खिताब दिया गया। इस दौरान विद्यार्थियों की रंगारंग सांस्कृति प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

आयोजित समारोह का शुभारंभ प्रधानाचार्य नीलम नेगी व विद्यालय के संस्थापक हुकुम सिंह नेगी ने संयुक्ति रूप केक काटकर किया। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में लक्ष्य तय कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कहा कि मेहनत व ईमानदारी से चलने वाले व्यक्ति को एक दिन अवश्य मंजिल मिलती है। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में आगे बढ़ने के साथ ही समाज सेवा के लिए भी प्रेरित किया। इसके उपरांत विद्यार्थियों ने गढ़वाली, कुमाऊंनी सहित अन्य गीतों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए। शिक्षकों ने विद्यालय के अव्वल विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया।

जयदीप नेगी बने व्यापार मंडल के अध्यक्ष

व्यापारियों का धन्यवाद करते अध्यक्ष जयदीप नेगी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार/सतपुलीः व्यापार मंडल सतपुली के चुनाव में जयदीप नेगी को अध्यक्ष पद पर जीत मिली है। इस दौरान नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संगठन की मजबूती के लिए कार्य करने का संकल्प लिया।

व्यापार मंडल अध्यक्ष पद पर जयदीप नेगी ने अपने प्रतिद्वंदी थामेश्वर कुकरेती को 90 वोटों से हराकर जीत दर्ज की। इसके उपरांत वह विजयी जुलूस लेकर बाजार क्षेत्र में पहुंचे और व्यापारियों का धन्यावाद किया।

चुनाव परिवेक्षक चंद्रमोहन डोबरियाल ने बताया कि 374 सदस्यों में से 351 वोट पड़े, जिसमें जयदीप नेगी को 251 मत मिले। जबकि उनके प्रतिद्वंदी थामेश्वर कुकरेती को 218 मत मिले तथा 5 वोट रद हुए।

90 वोटों के अंतर से जयदीप नेगी जीत दर्ज की। वहीं महामंत्री धीरेंद्र नेगी और कोषाध्यक्ष में सुनील डंडरियाल पहले ही निर्विरोध चुने गए थे। चुनाव परिवेक्षक चंद्रमोहन डोबरियाल, प्रेम सिंह रावत और मनीष खुगाशाल की देख रेख में चुनाव संपन्न हुआ।

नवोदय विद्यालय निर्माण के लिए 3973.25 लाख रुपये स्वीकृत

उत्तरकाशी। चिन्यालीसौड़ के दीवारी खोल में राजीव गांधी नवोदय विद्यालय निर्माण की उम्मीद अब जगने लगी है। वर्ष 2008 में स्वीकृत इस विद्यालय के लिए प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर चौहान की मांग पर सीएम पुष्कर सिंह धामी ने 3973.25 लाख रुपये की धनराशी स्वीकृत की है। जिस पर स्थानीय लोगों ने खुशी व्यक्त की है। भाजपा मंडल अध्यक्ष चैन सिंह महर ने बताया कि राजीव गांधी नवोदय विद्यालय को वर्ष 2008 में स्वीकृति मिली थी। तब से लेकर आज तक विद्यालय राइंका चिन्यालीसौड़ के एक भवन में संचालित हो रहा है। जिससे छात्रों एवं शिक्षकों को पठन-पाठन के साथ ही आवास व कार्यालय के पर्याप्त स्पेश नहीं है। विद्यालय भवन के लिए आस पास के ग्रामीणों ने 210 नाली भूमि शिक्षा विभाग को दी थी। जिसमें धारकोट और बनचौरा के 20 परिवारों ने बिजोटी तोक पर 21 नाली भूमि विभाग को दान दी है। कहा कि भवन निर्माण के लिए कई बार स्थानीय लोगो ने इसके निर्माण की मांग की। लेकिन धन आभाव के कारण यह भवन अधर में लटका रहा । लेकिन अब स्थानीय लोगों की उम्मीदें एक बार फिर जगी है। स्थानीय लोगों ने इसके लिए प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर चौहान का आभार जताया है। महर ने बताया कि गत 10 जून को कीर्ति इंटर कॉलेज उत्तरकाशी के जनता दरबार में सीएम धामी ने इनके पत्र पर राजीव गांधी नवोदय विद्यालय के भवन निर्माणा हेतु 3973.25 लाख रुपये की धनराशि जारी करने की घोषणा की थी। जो आज पूरी हो गई है।

अमन व शिवानी रहे अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः अमेरिका इंडिया फाउंडेशन द्वारा राइंका उज्याड़ी में विज्ञान व गणित प्रोजेक्ट प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें स्कूल के 45 छात्र-छात्राओं ने अपने प्रोजेक्ट की प्रदर्शनी लगाकर छात्र-छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की जानकारी दी। स्कूल में आयोजित प्रदर्शनी में प्रोजेक्ट लीडर नीरज जोशी ने कहा कि फाउंडेशन का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को विज्ञान के प्रति रूचि बढ़ाना व प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करना है। कहा कि फाउंडेशन स्कूलों को तकनीकी जानकारी दे रहा है। बताया कि पिछले 8 साल से स्कूलों को हर क्षेत्र में मदद की जा रही है।

प्रोजेक्ट प्रदर्शनी के तहत आयोजित वर्किंग मॉडल प्रतियोगिता में अमन ने पहला, तनीषा ने दूसरा, आर्यन ने तीसरा, नॉन वर्किंग मॉडल में शिवानी ने पहला, आदित्य ने दूसरा व श्रेयसी ने तीसरा स्थान हासिल किया। इस मौके पर स्वदेश नेगी, बृजेंद्र रावत, गौरव, धर्म सिंह, निशा नेगी, शिवानी नयाल, सरोजनी पुरोहित, गोदांबरी रावत, भवान सिंह नेगी आदि शामिल रहे।

राज्य आंदोलनकारी आरक्षण विधेयक पास करने पर किया स्वागत

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः राज्य आंदोलनकारी आरक्षण विधेयक को विधानसभा में पारित करवाने में सूत्रधार की भूमिका निभाने पर स्वादेशी जागरण मंच ने पशुपालन मंत्री सौरभ बहुगुणा व वन मंत्री सुबोध उनियाल का धन्यवाद किया।

स्वदेशी जागरण मंच प्रांत संघर्ष वाहिनी प्रमुख प्रवीण पुरोहित के नेतृत्व में सदस्यों ने देहरादून में सौरभ बहुगुणा व सुबोध उनियाल से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि विधेयक पास होने से आंदोलनकारियों को सम्मान मिला है। इसके लिए 10 सालों से ज्यादा लंबे समय से संघर्ष चल रहा था। साथ ही स्वदेशी जागरण मंच भी लगातार आंदोनकारियों की मांग उठा रहा था। कहा कि हमको पूरी उम्मीद है कि जल्द ही उत्तराखंड के महामहिम राज्यपाल जन भावना का सम्मान करते हुए विधानसभा में सर्वसम्मति से पारित बिल पर अपने हस्ताक्षर करेंगे। साथ ही प्रवीण पुरोहित ने पशुपालन एवं दुग्ध विकास मंत्री से गौ पालन कर रहे लोगों को पानी के कमर्शियल बिल की जगह सामान्य बिल करने का भी अनुरोध किया। इससे दुग्ध उत्पादन कर रहे लोगों को राहत मिलेगी एवं गाय पालन कर रहे लोगों का मनोबल बढ़ेगा। मंत्री ने बताया कि अब विभागों से ये प्रस्ताव शासन स्तर पर पहुंच गया है और शासन स्तर पर निर्णय लिया जाना है। इस मौके पर संयुक्त आंदोलनकारी मंच के मुख्य संयोजक क्रंति कुकरेती, आशीष उनियाल, वीरेंद्र पोखरियाल,पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष विजय प्रताप,राम किशन, सुनीता ठाकुर, शकुन्तला रावत, बाल गोविंद डोभाल, मनोज कुमार, विमल जुयाल, शैलेन्द्र राणा, आशीष चौहान आदि मौजूद रहे।

देहरादून में काबीना मंत्री से मुलाकात करते सदस्य

निबंध व पोस्टर प्रतियोगिता में संध्या रही अव्वल

प्रतियोगिता के अव्वल विद्यार्थियों को सम्मानित करती प्राचार्य

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस दौरान निबंध व पोस्टर प्रतियोगिता में छात्रा संध्या ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्राचार्या जानकी पंवार ने विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

समाजशास्त्र विभाग की ओर से प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्राचार्या जानकी पंवार ने विद्यार्थियों को महाविद्यालय में होने वाली प्रत्येक प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित किया। कहा कि इससे विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने में मदद मिलती है। साथ ही छोटे-छोटे मंचों से होकर ही व्यक्ति बड़े मंच पर पहुंचता है। इसके उपरांत हुई निबंध प्रतियोगिता में संध्या, स्वाति, मनीषा नेगी व पोस्टर प्रतियोगिता में संध्या, स्वाति कंडवाल, आराध्या सक्सेना प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे। महाविद्यालय की ओर से प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डा.अजीत सिंह, डा.शोभा रावत, डा.जुनीश कुमार थे।

जसपाल सिंह बने एनयूजे के अध्यक्ष

बैठक में पदाधिकारियों का स्वागत करते सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुलीः सतपुली में रविवार को नेशनल यूनियन जर्नलिस्ट द्वारा बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें प्रदेश अध्यक्ष त्रिलोक भट्ट, कोषाध्यक्ष शशि शर्मा और प्रदेश मीडिया प्रभारी पुष्पेंद्र राणा उपस्थित रहे। इस दौरान जसपाल सिंह को अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई।

बैठक में जिला कार्यकारणी का गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष जसपाल सिंह, महासचिव रतनमणि भट्ट, सचिव चंद्रपाल सिंह, कोषाध्यक्ष डब्बल सिंह मियां, प्रचार मंत्री अंजना वर्मा और कार्यकारणी सदस्य पंकज रावत चुने गए। अध्यक्ष त्रिलोक भट्ट ने बताया कि आपातकालीन कोष के माध्यम से जुड़े पत्रकारों की सहायता की जाती है। प्रदेश पत्रकार कल्याण कोष में संगठन प्रदेश में एक मात्र संगठन है, जो सरकार द्वारा नामित किया गया है।

' संगठन द्वारा कई पत्रकारों को राहत कोष दिलाने को लेकर कार्य किए गए हैं। अनुज नेगी, इंद्रजीत असवाल, रत्नमणि भट्ट, अंजना वर्मा, राजेश गौड़, अनिल बलूनी, पंकज रावत, दिलीप कश्यप सहित अनेक पत्रकार मौजूद रहे ।

नारायणबगड़ में लोस चुनाव को लेकर कांग्रेसियों ने किया मंथन

चमोली। नारायणबगड़ कांग्रेस कार्यालय में रविवार को पार्टी की एक आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में आगामी लोकसभा चुनाव की रणनीति पर गहन चर्चा की गई एवं दिवंगत कांग्रेसी नेता आलम सिंह नेगी एवं सोनिया देवी को श्रद्धांजलि दी गई। नारायणबगड़ कांग्रेस पार्टी की रविवार को एक आवश्यक बैठक का आयोजन कार्यकारी ब्लॉक अध्यक्ष नरेंद्र रावत की अध्यक्षता में की गई। बैठक में सर्वप्रथम कार्यकारी ब्लॉक अध्यक्ष नरेंद्र सिंह रावत का कांग्रेस पार्टी की सदस्यों ने फूलमालाओं से स्वागत किया। साथ ही विगत दिनों कांग्रेस नेता आलम सिंह नेगी एवं सोनिया देवी के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। वहीं इस अवसर कांग्रेस पार्टी ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया कि वर्तमान कांग्रेस पार्टी की ब्लॉक अध्यक्ष अपने निजी कार्यों की व्यस्तता के चलते पार्टी को समय नहीं दे पा रहे हैं । नरेंद्र सिंह रावत को पूर्णरूप से अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव पार्टी ने हाई कमान को भेजा गया। आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर गहन मंत्रणा की गई।

बैठक में विजेंद्र सिंह रावत, अवतार फरस्वान, संदीप कुमार पटवाल, कुंदन सुकड़ियाल, पृथ्वी सिंह बिष्ट, गिरीश कंडवाल, महावीर नेगी, प्रेम सती, सुदर्शन रावत, मनोज सती, प्रवेंद्र, भगत सिंह सिंह समेत बड़ी संख्या में कांग्रेसी मौजूद रहे।

नवयुग व एमकेवीएन ने बॉलीवॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में किया प्रवेश

कोटद्वार के दुर्गापुरी में आयोजित टूर्नामेंट का शुभारंभ करते अतिथि

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः शहीद मुकेश बिष्ट की स्मृति में दुर्गापुरी में बॉलवॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। इस दौरान नवयुग व एमकेवीएन की टीम ने मुकाबले के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। ताड़केश्वर नगर दुर्गापुर में आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ पूर्व विधायक शैलेंद्र सिंह रावत, मंडी समिति के अध्यक्ष सुमन कोटनाला व रंजना रावत ने दीप प्रज्जवलित कर किया। अतिथियों ने युवाओं को पढ़ाई के साथ खेल के क्षेत्र में भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता के संयोजक गौरव जोशी ने बताया कि प्रतियोगिता का पहला मुकाबला एमकेवीएन पब्लिक स्कूल और भाबर यूथ क्लब के बीच खेला गया। जिसमें एमकेवीएन 2–1 से विजयी रहा। दूसरा मुकाबला स्कार्लस पब्लिक स्कूल व नवयुग पब्लिक स्कूल के मध्य हुआ। जिसमें नवयुग 2–1 से विजयी रहा। इस मौके पर लक्ष्मण सिंह बिष्ट, आयुष त्रिपाठी, अमित काला, अमित बिष्ट, सचिन रावत, सुमित नेगी, उमंग आदि मौजूद रहे।

काबीना मंत्री ने किया देवभूमि हिमालयन वैली के उत्पादों का अनावरण

कंपनी के उत्पदों का अनावरण करते काबीना मंत्री

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः पशुपालन मंत्री सौरभ बहुगुणा की ओर से देवभूमि हिमालयन वैली कंपनी के उत्पादों का अनावरण किया गया। इस दौरान उन्होंने कंपनी की ओर से स्वजरोजगार के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की भी प्रसंशा की।

देहरादून में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान काबीना मंत्री ने कंपनी के उत्पदों का अनावरण किया। गौ सेवा आयोग के सदस्य धर्मवीर गुसाईं ने कहा कि दुधारु पशुओं को स्वस्थ रखने व प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए कंपनी कैल्शियम तैयार कर रही है। बड़ी–बड़ी कंपनियों के मुकाबले इस स्थानीय कंपनी का कैल्शियम काफी उपयोगी है। कहा कि इससे स्थानीय युवाओं को बेहतर रोजगार भी मिलेगा। इस मौके पर भाजपा प्रदेश प्रवक्ता विपिन कैंथोला, डा. जगदीश गुसाईं, लोकेंद्र वत्स, लक्ष्मी नेगी, अर्जुन प्रसाद, अमिताभ अग्रवाल, हार्दिक सिंह आदि मौजूद रहे।

ओपीएस की मांग को लेकर कर्मचारियों ने दिया धरना

नई टिहरी। पुरानी पेंशन बहाली राष्ट्रीय आंदोलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के आहवान पर जिला मुख्यालय नई टिहरी के शहीद पार्क में एक दिवसीय धरने का आयोजन कर्मचारियों ने किया। धरने में शामिल विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने कहा कि सरकार कर्मचारियों की ओपीएस की मांग को तुरंत पूरा करे।रविवार को शहीद पार्क में आयोजित धरने को संबोधित करते हुए उच्च शिक्षा विभाग के सत्येंद्र ढौंडियाल ने कहा कि कर्मचारियों की मांग का सरकार गंभीरता से ले, नहीं तो इसका परिणाम आगामी लोकसभा चुनाव में भुगतना पड़ेगा। धरने में वोट फार ओपीएस के नारे को संकल्प में बदलने का प्रण लिया गया। ओपीएस पर एक जुटता का आहवान भी किया गया। ओपीएस की मांग की धार तो तेज करने के लिए जिला मुख्यालय के सभी विभागों से समन्वय बनाने की बात की गई। कर्मचारियों से अपील की गई की ओपीएस की मांग को लेकर जागरूक होकर कार्य करें और मांग को लेकर जारी हर आंदोलन में सभागिता निभाएं। धरने का संचालन जिला सचिव सुशील तिवारी ने किया।

इस मौके पर जिलाध्यक्ष पूरण सिंह राणा, जिला प्रभारी अजबीर रावत, चंद्रेश्वर, बलवंत सिंह नेगी, नरेंद्र सिंह विष्ट, मदन सेमवाल, एनएस राणा, विनोद सेनसवाल, मनमोहन सिंह पडियार, दिनेश, मंगत, मुकेश, महावीर प्रसाद, दर्मियान, महावीर, ज्ञानेंद्र सिंह, मनोज, प्रकाश सिंह, सुशील कुमार, सुंदर प्रकाश, दीपक आदि मौजूद रहे।

टिहरी में निकाली मूल निवास स्वाभिमान रैली

नई टिहरी। मूल निवास भूकानून समन्वय संघर्ष समिति के तत्वाधान में रविवार को नई टिहरी जिला मुख्यालय पर आम लोगों, विभिन्न संगठनों, राजनैतिक दलों व स्थानीय लोगों की बड़ी भीड़ के साथ मूल निवास स्वाभिमान रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से सरकारों को चेताया गया कि उत्तराखंडियत की पहचान से छलावा नहीं करने दिया जायेगा।

चाहे इसके लिए उत्तराखंड आंदोलन की तर्ज पर फिर आंदोलन करना पड़े। दूसरी और भाजपा के जिला संगठन ने कहा कि प्रदेश की धामी सरकार जनभावना के अनुरूप काम कर रही है। यूसीसी जैसा कानून लाकर बड़ी पहल की गई है। रविवार को मूल निवास स्वाभिमान रैली को लेकर सुबह से ही सुमन पार्क नई टिहरी में स्थानीय लोगों सहित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि व राजनैतिक दलों के पदाधिकारी व जनपद के दूरस्थ व बाहरी जनपदों से आये लोग जुटने शुरू हुए।

मूल निवास जरूरी है और सशक्त भूकानून बनाए सरकार की मांगों को लेकर नई टिहरी से मोलधार, सांई चौक होते हुए बौराड़ी पहुंचे। सुमन पार्क व बौराड़ी में आम सभा का आयोजन भी किया गया। समन्वय संघर्ष समिति के संयोजक मोहित डिमरी ने कहा कि स्थानीय निवास उत्तराखंडियों के साथ साजिश है। हमारी पहचान से खिलवाड़ है। इसी तरह से लचर भूकानून के चलते

प्रदेश में भूमाफिया का नंगा नाच हो रहा है। प्रदेश सह संयोजक लुसन टोडरिया ने कहा कि प्रदेश के हित में लचर नियमों का प्रभाव है कि आज प्रदेश के हिमालयी क्षेत्रों तक भूमाफिया पहुंच चुके हैं। मूल निवास न होने के कारण स्थानीय लोगों को छोटी नौकरियां भी नहीं मिल पा रही हैं। कहा कि प्रदेश की पहचान व भूमि बचानी है, तो उत्तराखंड आंदोलन जैसा एक और आंदोलन चलाना पड़ेगा।

प्रतापनगर के विधायक विक्रम सिंह नेगी ने स्वाभिमान रैली को अपना समर्थन देते हुए कहा प्रदेश में सशक्त भूकानून और मूल निवास होना चाहिए। जिसके लिए वे समन्वय संघर्ष समिति को अपना समर्थन देते हैं। इसके अलावा वक्ताओं ने कहा कि मूल निवास को खत्म कर स्थानीय लोगों के हितों को प्रभावित किया गया है। जिसे अब बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। इसके लिए किसी भी तरह का आंदोलन क्यों न चलाना पड़े।

सीएम धामी ने किया गांव चलो अभियान के तहत टनकपुर के फागपुर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में प्रतिभाग

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को गांव चलो अभियान के तहत चंपावत जिले के तहसील टनकपुर के फागपुर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में प्रतिभाग किया। फागपुर पहुंचने पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों व लोगों द्वारा मुख्यमंत्री का स्वागत किया गया। फागपुर में गांव चलो अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित जनता को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा नारी सशक्तिकरण के लिए चलायी जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, कार्यक्रमों व सरकार की उपलब्धियों से लोगों को अवगत कराते हुए नारी शक्ति को इस पर्वतीय राज्य की रीढ़ कहा। इस दौरान उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा राज्य के विकास हेतु किए जा रहे अनेकों विकास कार्यों के अतिरिक्त चंपावत जिले में हो रहे अनेकों विकास कार्यों व स्वीकृत योजनाओं की जानकारी दी। गांव चलो अभियान अंतर्गत मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी बनबसा हेलीपैड से सीधे फागपुर निवासी सबिता देवी पत्नी दिनेश आर्या के घर पहुंचे जहां उन्होंने परिवार वालों का हाल–चाल जाना और वार्ता की। उन्होंने वहा चारा कुट्टी मशीन भी चलायी। मुख्यमंत्री के समक्ष परिवार जनों ने अपने कच्चे गोठ की समस्या रखी, जिस पर मुख्यमंत्री ने उप जिलाधिकारी टनकपुर को तत्काल इस संबंध में कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उसके बाद मुख्यमंत्री श्री धामी गांव में ही स्थित संगीता रावल पत्नी राजकुमार रावल के घर पहुंचे और वहां नन्हे मुन्ने बच्चों से बात की और उन्हें चॉकलेट, टाफी दी, अपने पास मुख्यमंत्री को पाकर बच्चे और स्थानीय लोग काफी खुश नजर आए। मुख्यमंत्री ने वहा चाखा(पत्थर की हाथ वाली चक्की) चलाया और भट्ट की दाल को दला। मुख्यमंत्री के अचानक ही दोनों परिवारों में पहुंचने से घर के सभी लोग काफी उत्साहित, खुश नजर आए और उनका स्वागत किया।

ओपीएस की मांग को लेकर कर्मचारियों ने दिया धरना

नई टिहरी। पुरानी पेंशन बहाली राष्ट्रीय आंदोलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के आहवान पर जिला मुख्यालय नई टिहरी के शहीद पार्क में एक दिवसीय धरने का आयोजन कर्मचारियों ने किया। धरने में शामिल विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने कहा कि सरकार कर्मचारियों की ओपीएस की मांग को तुरंत पूरा करे। रविार को शहीद पार्क में आयोजित धरने को संबोधित करते हुए उच्च शिक्षा विभाग के सत्येंद्र ढौंडियाल ने कहा कि कर्मचारियों की मांग का सरकार गंभीरता से ले, नहीं तो इसका परिणाम आगामी लोकसभा चुनाव में भुगतना पड़ेगा। धरने में वोट फार ओपीएस के नारे को संकल्प में बदलने का प्रण लिया गया। ओपीएस पर एक जुटता का आहवान भी किया गया। ओपीएस की मांग की धार तो तेज करने के लिए जिला मुख्यालय के सभी विभागों से समन्वय बनाने की बात की गई। कर्मचारियों से अपील की गई की ओपीएस की मांग को लेकर जागरूक होकर कार्य करें और मांग को लेकर जारी हर आंदोलन में सभागिता निभाएं। धरने का संचालन जिला सचिव सुशील तिवारी ने किया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष पूरण सिंह राणा, जिला प्रभारी अजबीर रावत, चंद्रेश्वर, बलवंत सिंह नेगी, नरेंद्र सिंह विष्ट, मदन सेमवाल, एनएस राणा, विनोद सेनसवाल, मनमोहन सिंह पडियार, दिनेश, मंगत, मुकेश, महावीर प्रसाद, दर्मियान, महावीर, ज्ञानेंद्र सिंह, मनोज, प्रकाश सिंह, सुशील कुमार, सुंदर प्रकाश, दीपक आदि मौजूद रहे।

जीत की रणनीति को कांग्रेस प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा ने की बैठक

देहरादून। कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय में बैठकों का दौर लगातार जारी है। लोकसभा चुनाव की रणनीति को लेकर पार्टी की प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा ने आज सभी जिला और महानगर अध्यक्षों, लोकसभा क्षेत्र के समन्वयकों, और 2019 के लोकसभा प्रत्याशियों के साथ लगातार बैठकें की।

दोपहर बाद कुमारी शैलजा एआईसीसी, पीएससी, और वरिष्ठ नेताओं के साथ लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर बैठक की। इसके बाद अनुषांगिक संगठनों, विभागों और प्रकोष्ठों के अध्यक्षों के साथ चुनावी रणनीति पर विचार विमर्श किया गया। इस दौरान कुमारी शैलजा ने सभी जिला और महानगर अध्यक्षों को निर्देश दिए की पार्टी के सभी संगठनात्मक इकाइयों को आने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारी जुटना होगा, ताकि लोकसभा चुनावों को मजबूती के साथ लड़ा जा सके।

उन्होंने कहा कि पार्टी संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की जिम्मेदारी जिला और महानगर अध्यक्षों के कंधों पर है। इस दौरान प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा ने एआईसीसी की ओर से चलाये जा रहे डोनेट फॉर नेशन और डोनेट फ़ॉर न्याय अभियान पर भी सभी नेताओं से चर्चा की। कुमारी शैलजा ने इन अभियानों के तहत उत्तराखंड राज्य में अभी तक की प्रगति पर भी विस्तार से चर्चा की।

बता दें कांग्रेस प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा दो दिवसीय उत्तराखंड दौरे पर हैं। बीते रोज कुमारी शैलजा ने सभी विधायकों, से अलग–अलग मुलाकात करके लोकसभा चुनाव पर विस्तार से चर्चा की थी।

रुद्रप्रयाग में पुरानी पेंशन बहाली को लेकर शिक्षक–कर्मियों का प्रदर्शन

रुद्रप्रयाग। पुरानी पेंशन बहाली को लेकर शिक्षक–कर्मचारियों ने रविवार को मुख्यालय में प्रदर्शन किया। सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उन्होंने शीघ्र पुरानी पेंशन बहाली की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होती तब तक आंदोलन जारी रहेगा। पुरानी पेंशन बहाली राष्ट्रीय आंदोलन के प्रान्तीय नेतृत्व के आह्वान पर जनपद के अधिकारी, शिक्षक व कर्मचारियों ने रुद्रा बैंड से मुख्य बाजार होते हुए बदरीनाथ हाईवे पर पेट्रोल पंप तक जोरदार प्रदर्शन किया। शिक्षक–कर्मचारियों ने नारेबाजी करते हुए ओपीएस बहाल करने की मांग की है। इस दौरान कर्मचारियों ने सरकार से पुरानी पेंशन बहाली के समर्थन में आयोजित रैली में एनपीएस के स्थान पर पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल करने की मांग की है। रैली से पूर्व अधिकारी, शिक्षक व कर्मचारियों के विभिन्न संगठनों से जुड़े पदाधिकारियों ने बस अड्डा पर धरना देकर ओपीएस के समर्थन में सभा आयोजित की है। इस दौरान वक्ताओं ने एक स्वर में केंद्र सरकार से कहा है कि जब तक ओपीएस बहाल नहीं होगी तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। प्रदर्शन के बाद बड़ी संख्या में शिक्षक–कर्मचारियों ने धरना देकर कर्मचारियों ने केंद्र व प्रदेश सरकार से पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल करने की मांग की है। ओपीएस की मांग को लेकर रुद्रप्रयाग में पुरानी पेंशन बहाली राष्ट्रीय आंदोलन के बैनर तले पूर्व निर्धारित समय पर अशासकीय माध्यमिक शिक्षक संघ, राजकीय शिक्षक संघ,राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ, मिनिस्ट्रियल कर्मचारी संघ सहित विभिन्न संगठनों के शिक्षक कर्मचारी निर्धारित समय पर बदरीनाथ हाईवे के रुद्रा बैण्ड पर एकत्रित हुए और वहां से लम्बी कतार में मुख्य बाजार से होते हुए पेट्रोल पंप तक जोरदार प्रदर्शन व नारेबाजी करते हुए सरकार से पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल करने की मांग की है। इस मौके पर एनएमओपीएस बहाली आंदोलन के मण्डलीय अध्यक्ष देवेंद्र फर्स्वाण, अशासकीय माध्यमिक शिक्षक संघ गढ़वाल मंडल अध्यक्ष शिव सिंह रावत, एनएम ओपीएस के जिलाध्यक्ष आरएस राणा, महामंत्री राजविलोचन राणा, अशासकीय माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष बलवीर सिंह रौथाण, जिलामंत्री बीरेंद्र सिंह वर्त्वाल, कोषाध्यक्ष दिगंबर सिंह पंवार, प्राशिसं के जिलाध्यक्ष देवेंद्र झिक्वाण, जिलामंत्री दिनेश भट्ट, राशिसं के ब्लाक अध्यक्ष डा.जेपी चमोली, एन एम ओपीएस के जखोली अध्यक्ष रुडियाल, लक्ष्मी नेगी, प्रधानाचार्य देवीधार योगेन्द्र चौहान, प्रधानाचार्य लाटा बाबा इंटर कॉलेज विक्रम भण्डारी, शिक्षक सहित कई अधिकारी, शिक्षक व कर्मचारियों ने धरने को संबोधित करते हुए पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल करने की मांग की है।

एनएमएमएस की खामियों को लेकर सौंपा ज्ञापन

नई टिहरी। भिलंगना प्रधान संगठन अध्यक्ष दिनेश भजनियाल ने मनरेगा योजना में एनएमएमएस के माध्यम से श्रमिकों की उपस्थिति में आ रही समस्याओं का खंड विकास अधिकारी से निराकरण करने की मांग की। इस संबंध में उन्होंने बीडीओ अर्जुन सिंह रावत को ज्ञापन भी सौंपा। प्रधान संगठन अध्यक्ष ने कहा कि, बीते वर्ष से मनरेगा श्रमिकों को उपस्थिति के लिए केंद्र सरकार की ओर से नेशनल मोबाईल मॉनीटिरिंग सिस्टम लागू किया गया, लेकिन इसमें उपस्थिति दर्ज करने में ग्राम प्रधानों व कर्मचारियों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कहा कि, भिलंगना ब्लॉक के दूरस्थ क्षेत्रो में मोबाईल कनेक्टिविटी न होने के कारण समय पर उपस्थिति नही दर्ज हो पा रही है तथा समय पर श्रमिकों का भुगतान नही हो पाता। जिस कारण प्रधानों व कर्मचारियों को उनके आक्रोश का सामना करना पड़ रहा है।

सीओ ने लिया यात्रा व्यवस्थाओं का जायजा

उत्तरकाशी। चारधाम यात्रा काल में सुगम यातायात व्यवस्था बनाने को लेकर पुलिस उपाधीक्षक बड़कोट सुरेंद्र सिंह भंडारी ने यात्रा व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया तथा सुचारू यातायात व्यवस्था हेतु संवेदनशील स्थलों को चिन्हित कर साइन बोर्ड लगवाने के निर्देश दिये हैं। पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी के दिशा–निर्देशन में सुरेन्द्र सिंह भंडारी पुलिस उपाधीक्षक बड़कोट द्वारा आगामी चारधाम यात्रा के दृष्टिगत यमुनोत्री धाम यात्रा मार्ग एवं सीजनल पुलिस चौकियों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। सुचारू यातायात व्यवस्था हेतु संवेदनशील स्थलों को चिन्हित कर साइन बोर्ड लगवाने हेतु यातायात पुलिस को निर्देश दिए गए तथा अन्य कमियों को दूर करने हेतु संबंधित विभाग से पत्राचार एवं समन्वय स्थापित किया गया।

देवप्रयाग के दूरस्थ गांव डूंगा डांडा पहुंचेगी सड़क

श्रीनगर गढ़वाल। विधानसभा देवप्रयाग के दूरस्थ गांव डूंगा डांडा में आजादी के बाद से अब ग्रामीणों को सड़क नसीब होगी। क्षेत्र के दूरस्थ गांव में अब तक सड़क नहीं होने से कई चुनौतियों से ग्रामीणों को रूबरू होना पड़ा है। बीमार पड़ने पर लोग उन्हें डंडी कंडी के माध्यम से चार किमी नीचे सड़क मार्ग तक पहुंचाते थे,लेकिन अब ग्रामीणों का इंतजार खत्म हो गया है। देवप्रयाग विधानसभा क्षेत्र के भादीखाल से कोट चालनियों की से होते हुए बैराकोट तक मोटरमार्ग का नवनिर्माण कार्य को

प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति मिल गई है। मोटर मार्ग को वित्तीय स्वीकृति मिलने पर डूंगा डांडा के ग्रामीणों ने मलेथा पहुंचकर विधायक विनोद कंडारी का आभार व्यक्त किया। ग्रामीण इस सड़क मार्ग की मांग लंबे समय से करते आ रहे थे लेकिन ग्रामीणों की मांगे पूरी नहीं हो पा रही थी।

देवप्रयाग विधायक विनोद कंडारी ने ग्रामीणों से वादा किया था कि वह सड़क मार्ग निर्माण का जीओ जारी होने के बाद भी गांव में आयेंगे। शनिवार को इस मार्ग का जीओ जारी होने की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण मलेथा में विधायक कार्यालय आ पहुंचे। यहां ग्रामीणों ने फूल मालाओं के साथ विधायक का आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों ने बताया कि उत्तरप्रदेश के समय से ग्रामीण इस क्षेत्र में सड़क की मांग करते आ रहे थे, लेकिन हर बार ग्रामीणों की मांगों को नजर अंदाज किया जाता था। चुनाव के वक्त प्रतिनिधि सड़क की घोषणा करते थे लेकिन धरातल पर कुछ भी नहीं होता था। देवप्रयाग के विधायक विनोद कंडारी ने कहा कि वे चुनाव के दौरान इन क्षेत्रों में पैदल गए थे। उन्होंने ग्रामीणों से वादा किया था कि जल्द ही गांव में सड़क पहुंचेगी।

सम्पादकीय

बेनकाब करने की मुहिम

देवभूमि उत्तराखंड के जनपद नैनीताल में हल्द्वानी के बनभूलपुरा क्षेत्र में हुए उपद्रव के बाद अब प्रशासन ने एक–एक कर पदवियों को बेनकाब करने की तैयारी शुरू कर दी है। हालांकि उत्तर प्रदेश की भांति अभी तक फिलहाल बवाल करने वालों की घरों पर बुलडोजर जैसा कोई एक्शन देखने को नहीं मिला है लेकिन उत्तराखंड सरकार भी इस मसले पर शांत बैठने को तैयार नहीं है। उपद्रव के रोग की वीडियो वह चाहे जिस भी स्रोत से प्राप्त हो रहे हैं प्रशासन उन पर कार्रवाई कर रहा है। उपद्रव करने वाले लोगों को पहचान की कोशिश की जा रही है और इस दिशा में अब तक लगभग तीन दर्जन लोगों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। किसी भी घटना के दौरान जो कुछ भी घटित होता है उसके परिणामों से शायद बलवाई अनभिज्ञ रहते हैं या कह सकते हैं कि उन्माद में वह भविष्य में होने वाले परिणाम को भांप नहीं पाते। हल्द्वानी के बनभूलपूरा क्षेत्र से जुड़ा हुआ है जहां एक बगीचे में अवैध कब्जे को तोड़ने के लिए प्रशासन की टीम अदालत के आदेश के बाद पहुंची थी। इस स्थान पर अवैध कब्जा को तोड़ने के बाद विरोध कर रहे लोगों ने पुलिस बल पर पथराव किया जिसमें कई पुलिसकर्मी की घायल हो गए और पूरे शहर में अफरा–तफरी का माहौल कायम हो गया। मौजूद पुलिस बल स्थिति पर नियंत्रण नहीं रख पाया और बेकाबू लोगों ने कई वाहनों को भी आग लगा दी। जाहिर है घटना के बाद स्थानीय खुफिया पुलिस भी निशाने पर आई और उनकी कार्यशैली को लेकर सवाल भी उठ। कहीं ना कहीं यह स्पष्ट हो रहा था कि अतिक्रमण हटाने गई प्रशासन की टीम की कार्रवाई से पूर्व माहौल को समझने का प्रयास नहीं किया गया जिस कारण अवैध कब्जा तोड़ने के दौरान मौके पर मौजूद लोग प्रशासन और पुलिस बल पर भारी पड़ गए। उत्तराखंड के लिए इस प्रकार का हंगामा एक बेहद चिंता की बात है क्योंकि आमतौर पर इस प्रकार की घटनाएं पूर्व में देखने को नहीं मिली है। यदि इसी प्रकार से कोर्ट के आदेश और प्रशासन की कार्रवाई का विरोध करने के लिए हिंसा का सहारा लिया गया और उपद्रव करने वालों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई तो इसके दूरगामी परिणाम ठीक नहीं होंगे। हालांकि इस घटना को बेहद गंभीरता से लेते हुए सरकार अब एक–एक उपद्रवी को चिन्हित कर रही है और इसी का परिणाम है कि उपद्रव के मास्टरमाइंड सहित तीन दर्जन लोग अब तक गिरफ्तार किया जा चुके हैं। उपद्रवी चाहे किसी भी धर्म से ताल्लुक रखते हो कानून को हाथ में लेने का अधिकार किसी को नहीं दिया जा सकता। कोई भी व्यक्ति या समूह यदि ऐसा करता है तो उसके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई से शासन प्रशासन को पीछे नहीं हटना चाहिए। यही नहीं स्थानीय लोगों को भी आपसी सौहार्द एवं भाईचारे को मजबूत बनाते हुए ऐसे लोगों को बेनकाब करना चाहिए जो किसी क्षेत्र की शांत फिजाओं में जहर घोलने का काम करते हो।

गठबंधन मिटाएं विरोधाभास नहीं

अजीत द्विवेदी

विपक्षी गठबंधन इंडिया की अभी सबसे बड़ी कमजोरी क्या है? इसका जवाब है– रणनीतिक विरोधाभास। ध्यान रहे गठबंधन की ज्यादातर पार्टियों में कोई वैचारिक विरोधाभास नहीं है। अगर एक उद्धव ठाकरे गुट के शिव सेना को छोड़ दें तो लगभग सभी पार्टियां अपनी स्थापना के समय से धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी राजनीति करने वाली रही हैं। सो, वैचारिक टकराव नहीं है। लेकिन रणनीतिक विरोधाभास इतना बड़ा है कि गठबंधन में एकजुटता नहीं दिख रही है। पार्टियों के साथ होने के बावजूद साथ होने का मैसेज नहीं बन रहा है। ऐसा लग रहा है कि सभी पार्टियां अपनी अपनी ओर गठबंधन को खींच रही हैं। सब एक दिशा में साथ मिल कर चलते हुए नहीं दिख रहे हैं। कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी है और उसकी अखिल भारतीय उपस्थिति है लेकिन बाकी पार्टियां उसको गठबंधन का इंजन मान कर उसके साथ बोगी की तरह जुड़ नहीं रही हैं। सब इंजन बनना चाहते हैं। इस वजह से कहीं गठबंधन तो कहीं टकराव दिख रहा है।

इसका नतीजा यह हुआ है कि पार्टियों की इस प्रतिबद्धता पर किसी को यकीन नहीं हो रहा है कि वे भाजपा को हराना चाहती हैं। ध्यान रहे देश में भाजपा विरोधी वोट करीब 60 फीसदी है। भाजपा को 2019 में अपने सबसे अच्छे प्रदर्शन के समय भी 38 फीसदी वोट मिले हैं। बचे हुए 62 फीसदी वोट में से थोड़े से वोट उसकी सहयोगी पार्टियों को मिले हैं लेकिन ज्यादातर या करीब 60 फीसदी वोट भाजपा के विरोध में पड़े हैं। इसका मतलब है कि विपक्षी पार्टियां भले बिखरी हुईं या कमजोर दिख रही हैं लेकिन भाजपा का विरोध कमजोर नही है। अगर विपक्षी पार्टियां एक साथ आती हैं, ईमानदारी से एकजुटता दिखाती हैं और भाजपा को हराने की वास्तविक प्रतिबद्धता दिखाती हैं तो भाजपा विरोधी वोट को साथ ला सकती हैं। इसमें भी भाजपा विरोधी सारे वोट हासिल करने की जरुरत नहीं है। अगर भाजपा विरोधी 60 फीसदी वोट का 60 या 70 फीसदी वोट विपक्षी गठबंधन को मिल जाए तो उसका वोट भी भाजपा के बराबर यानी 38 फीसदी के करीब हो जाएगा। फिर वह भाजपा को टक्कर देने की स्थिति में होगी। लेकिन यह वोट तभी उसके साथ आएगा, जब भाजपा को हराने की उनकी प्रतिबद्धता पर लोगों को यकीन होगा। अगर यकीन नहीं हुआ तो यह वोट बिखर जाएगा और विपक्षी गठबंधन को कोई फायदा नहीं होगा।

तभी वैचारिक समानता दिखाने के साथ साथ पार्टियों को रणनीतिक एकजुटता भी दिखानी होगी। यह नहीं हो सकता है कि ममता बनर्जी कहें कि वे पश्चिम बंगाल में तो अकेले लड़ेंगी लेकिन पूरे देश में विपक्षी गठबंधन ह्यइंडियाह्ण के साथ रहेंगी। इससे विपक्षी गठबंधन पर लोगों का भरोसा नहीं बनेगा। अगर वे अपने असर वाले राज्य में किसी दूसरी विपक्षी पार्टी को स्पेस नहीं देंगी तो इससे यह जाहिर होगा कि उनकी प्रतिबद्धता भाजपा को हराने की नहीं, बल्कि अपना स्वार्थ पूरा करने की है। वोट के बिखराव के साथ साथ उनकी इस सोच का असर धारणा के स्तर पर भी होगा। मतदाताओं का एक बड़ा समूह, जो भाजपा के खिलाफ वोट करता है या इस बार खिलाफ वोट करने की सोच रहा है, उसकी धारणा प्रभावित होगी। भाजपा को भी मौका मिलेगा यह बताने का कि गठबंधन में एकजुटता नहीं है। अगर ममता बनर्जी बंगाल में कांग्रेस को स्पेस नहीं देती हैं तो फिर कांग्रेस कैसे उनको असम, मेघालय या त्रिपुरा में सीट देगी?यही स्थिति वामपंथी पार्टियों के साथ हैं। उनको बिहार में 10 सीटें चाहिएं। उत्तर प्रदेश से लेकर तेलंगाना और तमिलनाडु से लेकर महाराष्ट्र, राजस्थान, झारखंड हर जगह वामपंथी पार्टियों को सीटें चाहिएं। लेकिन वे अपने असर वाले राज्य केरल और त्रिपुरा में तालमेल नहीं करेंगे। यह सही है कि केरल में अगर लेफ्ट मोर्चा और कांग्रेस के नेतृत्व में यूडीएफ के बीच तालमेल होगा है तो वह बड़ा बेमेल होगा और राजनीतिक स्तर पर भाजपा को बहुत बड़ा फायदा पहुंचाने वाला होगा। क्योंकि इन दोनों गठबंधनों के पास अभी राज्य का 85 फीसदी वोट है और भाजपा 11 फीसदी वोट की पार्टी है। अगर दोनों गठबंधन साथ हो जाएं तो भाजपा का वोट प्रतिशत बढ़ जाएगा। सीट तो वह एक भी नहीं जीत पाएगी लेकिन उसका आधार मजबूत हो जाएगा। लंबे समय में इसका नुकसान हो सकता है। लेकिन अगर कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टियां केरल में एक दूसरे के खिलाफ लड़ती हैं और एक दूसरे पर हमले करती हैं तो उसका असर दूसरे राज्यों में पड़ेगा, जहां वे साथ मिल कर लड़ रही होंगी। इसके एक बड़ा रणनीतिक विरोधाभास जाहिर होगा, जिसका धारणा के स्तर पर पूरे देश में नुकसान होगा। निश्चित रूप से केरल में दोनों के साथ आने में जोखिम है लेकिन एकजुटता और प्रतिबद्धता दिखाने के लिए किसी न किसी तरह से यह जोखिम उठाना होगा।

इसी तरह का जोखिम पंजाब में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच तालमेल को लेकर है। सत्तारूढ़ और मुख्य विपक्षी पार्टी के साथ मिल कर लडने़ का फायदा तीसरे नंबर की पार्टी अकाली दल और चौथे नंबर की पार्टी भाजपा को होगा। लेकिन अगर कांग्रेस और आप दिल्ली में मिल कर लड़ते हैं और पंजाब में अलग अलग लड़ते हैं तो वह विरोधाभास दोनों जगह भारी पड़ेगा। धारणा के स्तर पर पूरे देश में यह मैसेज जाएगा कि गठबंधन की पार्टियां लोगों को बेवकूफ बना रही हैं। भाजपा इस धारणा का और प्रचार करेगी। अगर कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस कहीं मिल कर लड़ रहे हैं और कहीं एक दूसरे पर वार कर रहे हैं, कांग्रेस और लेफ्ट कहीं साथ हैं तो कहीं एक दूसरे के खून के प्यासे हो रहे हैं, कांग्रेस और आप कहीं साथ हैं और कहीं एक दूसरे को नाकारा साबित करने में लगे हैं तो उससे मतदाता कंफ्यूज होंगे। उनके बीच यह धारणा नहीं बनेगी कि ये पार्टियां साथ हैं और भाजपा को हराना चाहती हैं। उनके बीच यह धारणा भी नहीं बनेगी कि चुनाव के बाद ये पार्टियां एकजुट रह पाएंगी। इससे भाजपा की ओर से मजबूत सरकार के नैरेटिव की ओर उनका आकर्षण बढ़ेगा। तभी पार्टियों को किसी न किसी तरह से विरोधाभासों को दूर करना होगा। यह मैसेज बनवाना होगा कि वे पूरे देश में एकजुट होकर लड़ रही हैं और उनके अंदर किसी बात पर मतभेद नहीं है।

दादी–पिता से ज्यादा नसीब वाले हैं राहुल

पंकज शर्मा

44 और 52 सीटों वाले राहुल को कांग्रेस के भीतर मिल रहे अपार स्नेह का बीजगणित क्या है? क्या वे कांग्रेसजन के लिए अपनी दादी और पिता से भी बड़े आस्थाझकेंद्र हैं? क्या आज के मोशाझदौर में वे जिस शुचिताझमूलक सियासत की स्थापना के रास्ते पर चल रहे हैं, वह कांग्रेसजन के लिए विश्वासझधुरी है? क्या कांग्रेस के कायाकल्प और पुनरुत्थान को ले कर राहुल की क्षमता पर कांग्रेसजन का अविचलित यक़ीन इस की बुनियाद में है?

मैं राहुल गांधी को भाग्यशाली मानता हूं कि उन्हें एक ऐसी कांग्रेस मिली हुई है, जो दस साल में दो–फाड़ नहीं हुई। राहुल नसीब वाले हैं कि बेमुरव्वत हो कर उन के बार–बार यह कहने पर भी कि जिसे जाना है, जाए, जिसे रहना है, रहे सिर्फ़ एकाध दर्जन छोटे–मंझले–बड़े नेता ही उन्हें छोड़ कर गए और निन्यानबे फ़ीसदी कांग्रेसजन अब भी अपनी वैचारिक प्रतिबद्धता पर डटे होने की वज़ह से उन के साथ हैं। यह किस्मत पा कर राहुल अपने को धन्य समझें–न–समझें, मैं उन कांग्रेसियों को धन्य मानता हूं, जो बिना उफ़ किए राहुल के तमाम प्रयोगों के गलियारों से कांग्रेस को गुजरते बीस साल से देख रहे हैं।

इन में से दस बरस कांग्रेस केंद्र की सत्ता में थी, इसलिए कांग्रेसियों के लबों पर लटके तालों का रहस्य हम समझ सकते हैं। मगर अब जब दस बरस से कांग्रेस अपने इतिहास के सब से निचले पायदान पर पड़ी है, तब भी अगर समूची कांग्रेस हर हाल में राहुल की ताल से अपनी ताल बेहिचक मिला रही है तो इस दृढ़ता का एक ही मतलब है कि कांग्रेसियों को राहुल की राह पर अखंड विश्वास है।

ऐसा भाग्य पाना आसान नहीं है। मुक़दर की ऐसी सिकंदर तो राहुल की दादी इंदिरा गांधी भी नहीं थीं। 46 साल पहले की कांग्रेस–पराजय में 154 सीटें जीतने के बाद भी इंदिरा जी कांग्रेस को टूटने से नहीं बचा पाई थीं। फिर 2014 में महज़ 44 और 2019 में सिर्फ़ 52 सीटों पर सिकुड़ जाने वाली कांग्रेस टूटने से कैसे बच गई? यह संजीदा सामाजिक–राजनीतिक अध्ययन का विषय है कि कांग्रेस के भीतर शिखर नेतृत्व के ख़िलाफ़ वैसा तूफ़ान क्यों नहीं उठा, जैसा इंदिरा जी के विरोध में साढ़े चार दशक पहले दिखाई दिया था? तब इंदिरा गांधी को तीन दिशाओं से घनघोर आक्रमणों का सामना करना पड़ा था। एक तरफ़ जनता पार्टी की सरकार उन्हें कुचलने पर आमादा थी। दूसरी तरफ़ देश भर में लोगों के गहरे गुस्से का आलम था। तीसरी तरफ़ कांग्रेस में अंदरूनी घमासान मचा हुआ था। इस परिदृश्य की एकदम उलटबांसी हम ने दस साल पहले देखी, जब बेहद शर्मनाक हार के बाद भी पूरी कांग्रेस अभूतपूर्व आस्था के साथ सोनिया गांधी और राहुल के साथ खड़ी रही।नज़दीकी लोग इंदिरा जी को भी छोड़ गए थे। नज़दीकी लोग राहुल को भी छोड़ गए। दोनों को छोड़ कर गए लोगों की क़द–काठी में फर्क़ हो सकता है। मगर तब भी जो ज़्यादा अपने थे, वे ही डंक–मार निकले थे और अब भी जो बेहद बगलगीर थे, वे ही। तब भी, बेगाने–से समझे गए ही कांग्रेस के लिए जूझे और आज भी वे ही अपने–अपने मोर्चों पर जमे हुए हैं। इंदिरा जी के ज़माने की कांग्रेस कार्यसमिति के 21 सदस्यों में से सिर्फ़ 5 ही उन के साथ रह गए थे। कांग्रेस संसदीय दल का भी भारी बहुमत उन के ख़िलाफ़ था। आज तो पूरी की पूरी कार्यसमिति और पूरा का पूरा संसदीय दल राहुल के पीछे खड़ा है।

1977 के दिसंबर में इंदिरा जी ने कार्यसमिति और संसदीय दल से इस्तीफ़ा दे दिया था। अलग से एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करने के लिए संचालन समिति बनी। 1 और 2 जनवरी 1978 को दिल्ली में हुए सम्मेलन के लिए कांग्रेस कार्यसमिति के चार सदस्यों – पी.वी. नरसिंहराव, बूटा सिंह, अनंत प्रसाद शर्मा और श्रीमती मर्गाथम चंद्रशेखर झ्र की तरफ़ से देश भर के वरिष्ठ कांग्रेसियों को निमंत्रण भेजे गए। कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष ब्रह्मानंद रेड्डी को भी आमंत्रण भेजा गया। पांच हज़ार प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। सम्मेलन की अध्यक्षता पंडित कमलापति त्रिपाठी ने की। कांग्रेस (इं) का जन्म हुआ। इंदिरा जी नई पार्टी की सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुन ली गईं। अगले महीने फरवरी में चार राज्यों झ्र कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, महाराश्ट्र और असम झ्र की विधानसभाओं के चुनाव हुए।

कर्नाटक में कांग्रेस (इं) को 149 का भारी बहुमत मिला। जनता पार्टी को 59 सीटें ही मिलीं। जिस कांग्रेस को इंदिरा जी ने तोड़ दिया था, उसे महज़ 2 सीटें ही मिलीं। आंध्र प्रदेश में भी इंदिरा जी की पार्टी को 175 सीटें मिलीं, जनता पार्टी को 60 और कांग्रेस (ओ) को सिर्फ़ 30 सीटें मिलीं। महाराष्ट्र में वोट दोनों कांग्रेस पार्टियों के बीच बंट गए और जनता पार्टी 99 सीटों के साथ सब से बड़ा दल बन गई। इंदिरा जी की कांग्रेस को 62 और दूसरी कांग्रेस को 69 सीटें मिलीं। असम में इंदिरा जी को 8 सीटें ही मिलीं। दूसरी कांग्रेस ने 26 और जनता पार्टी ने 53 सीटें जीतीं। असम के मतदाताओं ने तब इंदिरा जी के बजाय देवकांत बरुआ और हितेश्वर सैकिया जैसे नेताओं पर ज़्यादा भरोसा जताया था।नई पार्टी बनाने के डेढ़ महीने और लोकसभा में हार के एक साल के भीतर इंदिरा जी ने तीन राज्यों में कांग्रेस की सरकारें बना लीं और दो बरस बाद दनदनाते हुए वे केंद्र की सरकार में भी लौट आईं। ज़ाहिर है कि विजयमाला ने रंगबदलू कांग्रेसियों के रंग फिर बदल दिए। मगर अब तो पिछले दस साल में कांग्रेस अलग–अलग प्रदेशों के विधानसभा चुनाव 40 बार हार चुकी है। ऐसे में भी राहुल के पीछे खड़े कांग्रेसी क्या आप को इंदिरा जी के ज़माने के कांग्रेसियों से भी ज़्यादा प्रतिबद्ध नहीं लगते हैं? 1977 में सरकार से हटने के बाद अगर इंदिरा जी 1987 तक सत्ता में नहीं लौट पातीं, और 1992 तक भी केंद्र में उन की वापसी के कोई आसार दिखाई नहीं दे रहे होते, और विधानसभाओं के चुनाव भी वे चालीस बार हार गई होतीं, तो उस दौर की कांग्रेस में क्या हो रहा होता?

राहुल के पिता राजीव गांधी को भी लोकसभा में 414 सीटें मिलने के बावजूद ढाई साल के भीतर ही अंदरूनी चुनौतियों का सामना शुरू करना पड़ा था। उन के पाले–पोसे नए–नवेले भी अपने असली रंग दिखलाने लगे थे। राजीव भी कांग्रेस को टूटने से बचा नहीं पाए थे। विश्वनाथ प्रताप सिंह और आरिफ़ मुहम्मद खान ने नया राजनीतिक दल झ्र जनमोर्चा झ्र बना लिया था। फिर जनता दल बना। बाद में द्रमुक, तेलुगु देशम और असम गण परिषद वगैरह के सहयोग से विश्वनाथ प्रताप की राष्ट्रीय मोर्चा सरकार बनी। चली महज़ 343 दिन, मगर कांग्रेस के लोकसभा में 197 सांसद होने के बावजूद राजीव गांधी को तो विपक्ष में ही बैठे–बैठे अपनों का विरोध भी झेलना पड़ा था।ऐसे में 44 और 52 सीटों वाले राहुल को कांग्रेस के भीतर मिल रहे अपार स्नेह का बीजगणित क्या है? क्या वे कांग्रेसजन के लिए अपनी दादी और पिता से भी बड़े आस्था–केंद्र हैं? क्या आज के मोशा–दौर में वे जिस शुचिता–मूलक सियासत की स्थापना के रास्ते पर चल रहे हैं, वह कांग्रेसजन के लिए विश्वास–धुरी है? क्या कांग्रेस के कायाकल्प और पुनरुत्थान को ले कर राहुल की क्षमता पर कांग्रेसजन का अविचलित यक़ीन इस की बुनियाद में है? क्या सोनिया गांधी की भलमनसाहत में कांग्रेसजन के भरोसे का परावर्तन राहुल को शक्तिमान बनाए हुए है?

साक्षी महाराज ने कहा, हल्द्वानी घटना पर हो सख्त कार्रवाई

बागपत ,उन्नाव के सांसद साक्षी महाराज ने उत्तराखंड के हल्द्वानी घटना पर कहा है कि पहले देश में लव जिहाद पर कार्रवाई हो रही थी, अब सरकार लैंड जिहाद पर कार्रवाई कर रही है। साक्षी दिल्ली से पूर्व ब्लाक प्रमुख प्रमोद काठा की बेटी की शादी समारोह में शामिल होने बागपत पहुंचे थे।

इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से कहा कि रालोद और बीजेपी के गठबंधन होने पर जंयत चौधरी की पार्टी को अमृत मिलेगा। उसके सुखद परिणाम देखने को मिलेंगे।

सांसद साक्षी महाराज ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री और किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न मिलने से यह सम्मान केवल जाट समुदाय के लिए नहीं, बल्कि संपूर्ण किसानों पर बड़ा प्रभाव होगा। जनता राष्ट्रवाद के रास्ते पर चल पड़ी है। इसका परिणाम ये होगा कि पश्चिम उत्तर प्रदेश की सभी सीट राष्ट्रीय लोकदल और भारतीय

जनता पार्टी दोनों मिलकर जीतेंगे।

साक्षी महाराज ने हल्द्वानी में अतिक्रमण हटाने के दौरान हुई हिंसा को लेकर कहा कि जिस तरीके से पहले लव जिहाद चलता था, ठीक उसी तरह अब लैंड जिहाद चल रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि यह बीमारी बहुत पुरानी है। लैंड जेहाद के खिलाफ कार्रवाई करेंगे तो दर्द तो होगा ही लेकिन, ऐसी घटनाओं से बचना चाहिए। इस तरह की घटनाओं को नियंत्रित करने के लिए सख्त कदम उठाने होंगे।

सांसद ने कहा कि एक जमाना था जब जय श्रीराम कहने वालों को गोली से छलनी कर दिया जाता था, आज उसी देश में विश्व का सबसे भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ है जिसे देखने देश विदेश के लोग आ रहे हैं। सरकार के मंत्री विधायक कहीं न कहीं संत के शरण में देखकर लगता है कि भारत बदल रहा है। इस धरती पर इकलौते हम हैं जो कहते हैं सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे संतु निरामया से विश्व का कल्याण हो।

फ्लोर टेस्ट से पहले बिहार में होगा खेला!

तेजस्वी ने सारे आरजेडी विधायकों को किया नजरबंद; जेडीयू के लंच में नही पहुंचे 5 एमएलए

पटना ,। बिहार और नीतीश कुमार की सरकार के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इस दिन एनडीए सरकार का फ्लोर टेस्ट होना है। इस दिन अगर नीतीश कुमार की सरकार को बहुमत नहीं मिला तो एक बार फिर से सियासी भूचाल आना तय है। बता दें कि बिहार विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 122 है। नीतीश कुमार ने राज्यपाल को 128 विधायकों के समर्थन का पत्र सौंपा था। वहीं महागठबंधन के पास 115 विधायक हैं। एक तरफ एनडीए के पास बहुमत से केवल 6 विधायक ज्यादा हैं तो महागठबंधन के पास बहुमत से केवल 7 विधायक कम हैं। सारा खेल इन्हीं 6 और सात विधायकों के बीच चल रहा है। इस खेल को बल शनिवार को राजधानी पटना में हुई कुछ सियासी हरकतों ने और भी बल दिया।

पटना में बहुत कुछ हुआ। आरजेडी ने अपने सभी विधायकों को पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के आवास 5 देश रत्न आवास पर रोक लिया है। अब सोमवार 12 फरवरी तक ये सभी विधायक यहीं रहेंगे। शनिवार को तेजस्वी के आवास पर विधायकों की तीन घंटे तक मीटिंग चली। इसके बाद सभी विधायकों के आवास से उनके कपड़े समेत बाकी का जरुरी सामान मंगवा लिया गया।

वहीं इससे पहले दिन में जेडीयू के खेमे में भी काफी कुछ घटा। नीतीश सरकार में मंत्री श्रवण कुमार के आवास पर विधायकों के लिए भोज रखा गया। इस भोज में सभी जेडीयू विधायकों को पहुंचना था। नीतीश कुमार को भी आना था और वह आए भी। लेकिन वहां उन्होंने जो कुछ देखा, वह देखकर वह नाराज हो गए और चंद मिनट रुकने के बाद बिना कुछ खाए वह वहां से रवाना हो गए।

संक्षिप्त समाचार

महाराष्ट्र कांग्रेस को झटका, पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी एनसीपी में हुए शामिल

मुंबई , महाराष्ट्र कांग्रेस को झटका देते हुए वरिष्ठ नेता और बांद्रा के कद्दावर नेता और पूर्व मंत्री बाबा जियाउद्दीन सिद्दीकी एनसीपी में शामिल हो गए हैं। प्रफुल्ल पटेल, अजीत पवार और सुनील तटकरे की मौजूदगी में वह एनसीपी में शामिल हुए। बाबा सिद्दीकी 48 साल से कांग्रेस पार्टी में काम कर रहे थे। पिछले कुछ दिनों से चर्चा थी कि बाबा सिद्दीकी पार्टी में नाखुश हैं। सिद्दीकी ने गुरुवार को कांग्रेस की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद बाबा सिद्दीकी के महागठबंधन में शामिल होने की बात कही जा रही थी। सूत्रों के मुताबिक वह शनिवार को एनसीपी के अजित पवार गुट में शामिल हुए।

बाबा सिद्दीकी ने इस दौरान बताया कि उन्होंने कैसे एनसीपी ज्वाइन करने का फैसला किया। सिद्दीकी ने कहा, प्रफुल्ल पटेल के घर नाश्ते पर चर्चा हुई थी, उसी दिन निर्णय हो गया था कि मुझे 10 तारीख को एनसीपी में शामिल होना है। मैंने उसी दिन कांग्रेस के आला अधिकारियों को इसकी सूचना दे दी थी और 48 साल बाद कांग्रेस का साथ छोडने का निर्णय लिया। मैं खुली किताब हूं। मैं खानदानी आदमी हूं। मैं किसी की बुराई नहीं करना चाहता हूं। हमारे यहां परसेप्शन की राजनीति हो रही है इसलिए निर्णय लेना पड़ा। मैंने कहा था मुझे छेड़ो नहीं वरना मैं छोड़ूंगा नहीं। मैं गद्दारी नहीं करूंगा। मैं चाहता हूं अजीत पवार के साथ हर हाथ में घड़ी हो। पूर्व मंत्री सिद्दीकी ने आगे कहा, सभी को साथ लेकर चलना है। हिंदुस्तान जो हमारे पूवर्जों ने चाहा था उसे पूरा करेंगे। मुंबई कांग्रेस इकाई का सिद्दीकी एक उल्लेखनीय चेहरा थे। जब कांग्रेस–एनसीपी गठबंधन सत्ता में था, तब मंत्री के रूप में कार्य किया था।

पंजाब पुलिस ने किया लुटेरा गिरोह का पर्दाफाश, हथियारों सहित पांच गिरफ्तार

राजपुरा । राजपुरा पुलिस ने अंतर राज्यीय लुटेरा गिरोह का पर्दाफाश कर पांच आरोपितों को काबू किया है। आरोपितों से तीन पिस्तौल, मैगजीन के अलावा जाली नंबर वाली कार भी बरामद की है। आरोपितों की पहचान दिल्ली निवासी प्रिंस नागी, राजन बिष्ट, आरिफ बली उर्फ आरिफ, विक्की, मोहम्मद साहिल के रूप में हुई है। आरोपितों पर अलग–अलग स्थानों पर करीब बीस केस दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। आरोपित नेशनल हाईवे पर लूट की वारदातों को अंजाम देते थे। यह गैंग जालंधर व लुधियाना में लूट की वारदातों को अंजाम देने वाले थे। आरोपितों की पंजाब, दिल्ली व हरियाणा पुलिस को लंबे समय से तलाश थी।

एनसीवीईटी ने एजुकेशन टेक प्लेट-फॉर्म हायरमी को दी मान्यता

नई दिल्ली ,कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) द्वारा स्थापित राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी) ने टैलेंट असेसमेंट और टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म हायरमी को उभरती टेक्नोलॉजी के लिए एक रिकॉग्नाइज्ड एजेंसी के रूप में मान्यता दी है।

वोकेशनल एजुकेशन और ट्रेनिंग के लिए गुणवत्ता मानक नियामक एनसीवीईटी द्वारा मान्य बेंगलुरु स्थित एडटेक प्लेटफॉर्म को नेशनल स्किल्स क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) संरेखित योग्यता पर उम्मीदवारों का आकलन करने की अनुमति देती है।

हायरमी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और प्रमुख वेंकटरमन उमाकांत ने कहा, 250 अरब डॉलर के मजबूत भारतीय आईटी–आईटीईएस इंडस्ट्री को सशक्त बनाने में लगे 5 मिलियन लोगों को प्रासंगिक बने रहने के लिए उभरती टेक्नोलॉजी में लगातार ट्रेनिंग की आवश्यकता है। एनसीवीईटी–मान्यता प्राप्त असेसमेंट एजेंसी के रूप में, हायरमी इंडस्ट्री की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार है।

यह मान्यता आईटी और नॉन–आईटी क्षेत्रों में एआई–संचालित असेसमेंट की पेशकश में हायरमी की क्षमताओं के मूल्यांकन की प्रक्रिया का पालन करती है।

कंपनी के असेसमेंट प्लेटफॉर्म का व्यापक रूप से देश भर के कई कॉर्पोरेट्स, मध्य–पूर्व और अमेरिका में टैलेंट एक्विजिशन और मैनेजमेंट और एकेडमिक इंस्टीट्यूशन के लिए उपयोग किया जाता है और इसने लगभग 3 मिलियन असेसमेंट्स दिए हैं। अपनी स्थापना के बाद से, प्लेट-फॉर्म ने एआईसीटीई द्वारा मान्यता प्राप्त लगभग 7,000 कॉलेजों, केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्रालय की नेशनल कैरियर सर्विस, तमिलनाडु सरकार के अपस्किलिंग प्रोग्राम नान मुधलवन और कर्नाटक सरकार के डिजिटल इकोनॉमी मिशन और 2,000 से अधिक कंपनियों के साथ मिलकर काम किया है।

समान नागरिक संहिता विधेयक पर अभी कोई फैसला नहीं : असम के मंत्री

गुवाहाटी , असम के कैबिनेट मंत्री जयंत मल्लबरुआ ने कहा कि विधानसभा में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक पेश करने को लेकर कैबिनेट की बैठक में कोई निर्णय नहीं लिया गया। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, कैबिनेट की बैठक में कई चीजों पर चर्चा हुई। कुछ ऐसे मामले सामने आए, जो बैठक की एजेंडा सूची में नहीं थे।

आगामी लोकसभा चुनाव से पहले अमित शाह का कर्नाटक दौरा

मैसूर ,केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार तडके कर्नाटक के मैसूरु पहुंचे और पार्टी नेताओं के साथ आगामी लोकसभा चुनाव पर एक बैठक में हिस्सा लेंगे। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी भी शाह के साथ थे। शाह सुबह तीन बजे मंदाकल्ली हवाईअड्डे पहुंचे, जहां प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने राज्य में उनका स्वागत किया। शाह रविवार सुबह 11 बजे चामुंडी हिल्स जाएंगे और देवी चामुंडेश्वरी की पूजा करेंगे। बाद में, वह नजंगुड शहर के पास सुत्तूर गांव में सुत्तूर मठ में एक धार्मिक कार्यक्रम में भाग लेंगे। मठ में दोपहर का भोजन करने के बाद शाह एक धार्मिक कार्यक्रम में भाग लेंगे और पार्टी की बैठक में भाग लेंगे। शाह आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर दोपहर 2.40 बजे से रविवार शाम तक बीजेपी नेताओं के साथ सिलसिलेवार बैठकें करेंगे। जद (एस) के साथ सीट–बंटवारे पर निर्णय होने की संभावना है और विशेष रूप से मांड्या सीट के संबंध में, जिसका प्रतिनिधित्व वर्तमान में एक निर्दलीय उम्मीदवार सुमलता अंबरीश कर रही हैं, जिन्होंने भाजपा को अपना समर्थन देने की घोषणा की हैं।

बिहार में नदियों के किनारे अब किसान नहीं शराब तस्करो का अड्डा

पटना , ऐसे तो अब तक आपने बिहार के गंगा, गंडक, सोन नदियों के तटों पर तरबूज, ललमी, खीरा, ककड़ी और हरी सब्जियों की खेती लहलहाने की चर्चा सुनी होगी लेकिन अब ट्रेंड बदल गया है। अब इन बड़ी नदियों के तटों पर न केवल शराब की भट्टियां सुलग रही हैं, बल्कि शराब के गोदाम भी बनाए जा रहे हैं। बताया जाता है कि बिहार की बड़ी नदियों के चौड़े तटों पर बालू की उपस्थिति अब शराब तस्करों के लिए सेफ जोन बना हुआ है।

वैसे भी जब सडकों से लेकर पगडंडियों तक शराब के तस्करों को पकडने के लिए जब पुलिस ने पहरा बैठा दिया तो तस्करों ने नदियों के रास्ते को ही तस्करी के लिए अपना ठिकाना बना लिया। कहा जाता है कि अब मछुआरे भी इस तस्करी के कामों को अपनाने लगे हैं। हाल की घटनाओं में नावों और नदियों के तटों से शराब की बरामदगी

और तस्करों का नहीं पकड़ा जाना इसकी तस्दीक करते हैं। माना जाता है दियारा का क्षेत्र ऐसे भी दुर्गम इलाका है जहां पुलिस भी जल्दी नहीं जाना चाहती है। ऐसे में कई इलाकों में शराब की भियां सुलगती हैं और महुआ से शराब बनाई जाती है। बताया जाता है कि शराब बनाने के बाद बालू में गड्ढा खोदकर इसे ड्रम में रख कर छिपा दिया जाता है। कैमूर, बक्सर, रोहतास, गोपालगंज जैसे कई सीमावर्ती जिले हैं जहां तस्कर अब नदियों को अपना ठिकाना बना रहे हैं। बिहार का बक्सर जिला उत्तर प्रदेश की सीमा से सटा हुआ है। गंगा नदी के उस पार यूपी का बलिया जिला तो इस पार बक्सर है। ऐसे में शराब पीने वाले अक्सर बलिया चले जाते हैं। बलिया से शराब खरीदकर बक्सर लाने वाले कई शराब तस्करों को पुलिस ने पकड़ा है। ऐसी ही स्थिति गोपालगंज जिले में भी है जहां सडक़ मार्ग पर चेक पोस्ट बना दिए गए हैं। बताया जाता है कि रात में तस्कर यूपी से नाव के जरिए आसानी से शराब लेकर बिहार पहुंच जाते हैं और फिर गंडक नदी के तट पर बालू के अंदर छिपा देते हैं। इसके बाद ऑर्डर मिलने के बाद आसानी से निकालकर उसे आसपास के प्रखंडों में सप्लाई कर देते हैं। ऐसा नहीं है कि पुलिस को इसकी जानकारी नहीं है। पुलिस को भी इसकी जानकारी होती है और छापेमारी भी होती है लेकिन शराब की तो बरामदगी हो जाती है, लेकिन तस्कर नहीं पकड़े जाते हैं।

तमिलनाडु के राजस्व अधिकारियों ने तिरुपुर में 'अस्पृश्यता दीवार' के हिस्से को किया ध्वस्त

चेन्नई ,तमिलनाडु में तिरुपुर जिला प्रशासन ने जिले के दो इलाकों के बीच स्थित एक दीवार के एक हिस्से को ध्वस्त कर दिया।दीवार ढहा दी गई, जिसे आमतौर पर 'अस्पृश्यता दीवार' के रूप में जाना जाता है। यह एक आवासीय क्षेत्र में दो जातियों के लोगों को अलग करती है।दीवार का बचा हुआ हिस्सा सोमवार और मंगलवार को तोड़ा जाएगा। इससे करीब 60 दलित परिवारों को आम रास्ते से गुजरने में मदद मिलेगी।सेवुर गांव अविनाशी में अनुसूचित जाति के लोगों द्वारा बसा हुआ देविन्द्र नगर, दीवार द्वारा वीआईपी नगर से अलग किया गया है। दोनों क्षेत्रों को अलग करने वाली 'अस्पृश्यता' की दीवार लंबे समय से अनुसूचित जाति समुदाय के लिए चिंता का विषय रही है।तमिलनाडु अस्पृश्यता उन्मूलन मोर्चा (टीयूईएफ) जैसे सामाजिक संगठन इस प्रथा के खिलाफ मुखर अभियान चला रहे हैं।टीयूईएफ के तिरुपुर जिला सचिव, सी.के. कनगराज ने कहा कि यह मुद्दा पिछले 16 वर्षों से क्षेत्र में चल रहा है और संगठन (टीयूईएफ) अस्पृश्यता की दीवार को हटाने में सबसे आगे रहा है। उन्होंने दीवार का एक हिस्सा गिराए जाने का स्वागत किया और कहा कि यह सही दिशा में उठाया गया सही कदम है।देविन्द्र नगर की ग्रामीण मल्लिका, जो अनुसूचित समुदाय से हैं, ने आईएएनएस को बताया, अधिकारियों का एक समूह शनिवार दोपहर को आया और अस्पृश्यता की दीवार के एक हिस्से को ध्वस्त कर दिया, जो हमारे लिए लंबे समय से परेशानी बनी हुई थी।उन्होंने आगे कहा, अब हम काफी राहत महसूस कर रहे हैं।हालांकि, वीआईपी रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के अधिकारियों ने कहा कि सोमवार को दोनों आवासीय क्षेत्रों के बीच एक शांति बैठक निर्धारित थी और राजस्व अधिकारियों ने दीवार के एक हिस्से को ध्वस्त कर जल्दबाजी की है।

तेज रफ्तार ने मचाया कहर

गंगटोक ,सिक्किम में तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला है। राज्य के गंगटोक जिले के रानीपूल में बीती शाम एक तम्बोला कार्यक्रम में ट्रक के अचानक घुस जाने से तीन लोगों की मौत हो गई। ट्रक के दुर्घटनाग्रस्त होने से 20 लोग घायल भी हो गए, जिन्हें मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

गंगटोक के जिला मजिस्ट्रेट तुषार निखारे ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि शनिवार शाम करीब 7 बजकर 30 मिनट पर रानीपुर में तंबोला कार्यक्रम चल रहा था। तभी कार्यक्रम में एक दूध का टैंकर घुस गया, जिससे 3 लोगों की मौत हो गई और करीब 20 मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

निखत, अमित चमके, 6 भारतीय फाइनल में पहुंचे, आकाश, नवीन ने कांस्य पदक जीता

सोफिया (बुल्गारिया), दो बार की विश्व चैंपियन निखत जरीन और राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता अमित पंघल ने शनिवार को बुल्गारिया के सोफिया में 75वें स्ट्रैंड्जा मेमोरियल टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने चार अन्य साथियों के साथ अरुंधति चौधरी (66 किग्रा), बरुण सिंह ने फाइनल में प्रवेश किया।

आकाश (71 किग्रा) और नवीन कुमार (92 किग्रा) अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबले हार गए और उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

दिन के पहले सेमीफाइनल में निकहत जरीन (50 किग्रा) एक्शन में थीं। बुल्गारियाई मुक्केबाज जूलातिस्लावा चुकानोवा के पीछे भीड़ के समर्थन के साथ, निखत ने सावधानी से मुकाबला शुरू किया, लय में आने के लिए कुछ समय लिया, लेकिन गेम पर पकड़ नहीं खोई और राउंड 3-2 से जीत लिया।

निखत ने दूसरे राउंड में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने बल्गेरियाई प्रतिद्वंद्वी को आक्रमण करने का कोई मौका नहीं दिया और कुछ सटीक प्रहार किए। नखत ने तीसरे राउंड में अपना दबदबा जारी रखा और संयम बनाए रखा, जिससे उनके प्रतिद्वंद्वी को वापसी का कोई मौका नहीं मिला और

उन्होंने मैच को 5-0 से अपने नाम कर लिया। नीलखत अब रविवार को स्वर्ण पदक मैच में उज्बेकिस्तान की सबीना बोबोकुलोवा से भिडने के लिए तैयार हैं।

भारत के अमित पंघल (51 किग्रा) के लिए यह आसान दिन था, उन्होंने अपना लगातार तीसरा मैच 5-0 से जीता। अमित ने तुर्की के गुमुस समेट का सामना किया और शुरू से ही अपने क्षेत्र में थे। अमित ने जरूरत पडने पर आक्रमण करने के लिए अपने अनुभव का इस्तेमाल किया और अन्यथा प्रतिद्वंद्वी के क्षेत्र से दूर जाने के लिए अपने फुटवर्क का इस्तेमाल किया।

भारतीय मुक्केबाज को ज्यादा पसीना नहीं बहाना पड़ा। उन्होंने फाइनल में प्रवेश करने के लिए आसान जीत हासिल करने के लिए पहले राउंड से ही लय बरकरार रखी। अमित रविवार को मौजूदा विश?व चैंपियन कजाकिस्तान के संझार ताशकेनबे से भिड़ेंगे।दूसरी ओर, अरुंधति चौधरी (66 किग्रा) ने अपनी प्रतिद्वंद्वी स्लोवाकिया की जेसिका ट्राइबेवोवा को आसानी से हराकर 5-0 से जीत हासिल की।

भारतीय मुक्केबाज ने अपने स्मार्ट मूवमेंट और आक्रमक रुख का इस्तेमाल करते हुए पूरे मुकाबले में दबदबा बनाए रखा और प्रत्येक राउंड को 5-0 के स्कोर से जीतकर फाइनल में प्रवेश किया। अरुंधति को रविवार को मौजूदा विश?व और एशियाई चैंपियन चीन की यांग लियू से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

बरुण सिंह शगोलशेम (48 किग्रा) ने अल्जीरिया के खेनौसी कामेल पर 5-0 की जीत के साथ भारत का दबदबा जारी रखा। क्वार्टर फाइनल में बाई मिलने के बाद प्रतियोगिता का अपना पहला गेम खेलते हुए बरुन घातक दिखे और उन्होंने तेज चाल के साथ अपनी तकनीकी क्षमता का पूरा उपयोग किया।

सचिन (57 किग्रा) यूक्रेन के अब्दुरईमोव एइडर के खिलाफ पहले सत्र में आखिरी मुक्केबाज थे और उन्होंने निराश नहीं किया। भारतीय मुक्केबाज को मैच में अपनी उपलब्धि हासिल करने में कुछ समय लगा। यूक्रेनी मुक्केबाज ने आक्रमक भूमिका निभाई। सचिन पहला राउंड 2-3 के नजदीकी स्कोर से हार गए।

सनराइजर्स ने लगातार दूसरी बार जीता एसए20 का खिताब

केप टाउन, सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने शनिवार को न्यूलैंड्स में डरबन सुपर जाइंट्स पर 89 रनों की जीत के बाद लगातार दूसरी बार एसए20 चैंपियनशिप खिताब पर अपना कब्जा जमाया है।

ग्रुप चरण में शीर्ष पर रहने के बाद सनराइजर्स ने फाइनल में भी शानदार प्रदर्शन किया। शनिवार रात 205 रन का टारगेट चेज कर रही डरबन सुपर जायंट्स 17 ओवर में 115 रन पर ऑलआउट हो गई।

इससे पहले, सनराइजर्स ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग चुनी और 20 ओवर में 3 विकेट पर 204 रन बनाए।

सनराइज के लिए टॉम एबेल (55) और ट्रिस्टन स्टब्स (नाबाद 56) ने अर्धशतकीय पारियां खेलीं, जबकि जॉर्डन हरमन और कप्तान एडेन मार्कराम ने 42-42 रन का योगदान दिया।

सनराइजर्स की गेंदबाजी इकाई पूरे सत्र में सबसे मजबूत रही है और उनके तेज गेंदबाज ने फाइनल मुकाबले में भी टीम के लिए दमदार प्रदर्शन किया। सनराइजर्स के लिए गेंदबाजी में माकी यानसेन को 5 विकेट मिले। डैनियल वॉराल और ऑटनल बार्थमैन को 2-2 सफलताएं मिली।

पीएसजी ने लिले को 3-1 से हराया, 11 अंक की बढ़त के साथ शीर्ष पर किया कब्जा

पेरिस, पेरिस सेंट-जर्मेन ने लीग 1 की दो शीर्ष टीमों के बीच हुए मुकाबले में एलओएससी लिले पर 3-1 से जीत हासिल की और तालिका में शीर्ष पर 11 अंक की बढ़त बना ली है।

शनिवार रात की जीत के साथ पीएसजी ने सभी प्रतियोगिताओं में अपना अजेय रहने का सिलसिला 16 मैचों तक बढ़ा दिया है।

दोनों टीमों ने मैच की शुरुआत आक्रमक अंदाज में की। लिले ने छठे मिनट में बढ़त बना ली।

लिले की 1-0 की बढ़त ज्यादा देर तक कायम नहीं रही, क्योंकि सेंट-जर्मेन ने कुछ मिनट बाद ही गोल दागा और स्कोर1-1 से बराबर हो गया।

बराबरी करने के बाद पीएसजी ने जल्द ही इसे 2-1 की बढ़त में पलट दिया। फिर, दूसरे हाफ में पीएसजी ने भी आक्रमक अंदाज अपनाये रखा।दूसरे हाफ में सब्स्टीट्यूट के रूप में आए ब्रैडली बारकोला ने रैंडल कोलो मुआनी के साथ मिलकर स्कोर 3-1 कर दिया और पीएसजी को जीत दिला दी।

जहां तक लिले की बात है, तो वे इंतजार करेंगे कि यूईएफए कॉन्फ्रेंस लीग नॉकआउट राउंड प्ले-ऑफ में क्या होता है, यह देखने के लिए कि ग्रुप ए में पहले स्थान पर रहने के बाद उनका सामना किससे होता है।

बेन शेल्टन को हराकर डलास ओपन के फाइनल में पहुंचे टॉमी पॉल

डलास (अमेरिका),अमेरिका के टॉमी पॉल हमवतन बेन शेल्टन को हराकर डलास ओपन के फाइनल में पहुंच गए। दूसरे वरीय ने आठ ब्रेक प्वाइंट अर्जित किए और उनमें से तीन को भुनाकर बड़े सर्विंग वाले लेफ्टी को 79 मिनट में 6-2, 6-4 से हरा दिया।

एटीपी रैंकिंग में नंबर 15 और नंबर 16 खिलाडियों ने पिछले साल महत्वपूर्ण एटीपी हेड-टू-हेड मैचों में संघर्ष किया है, जिसमें पिछले साल का ऑस्ट्रेलियन ओपन क्वार्टर फाइनल और यूएस ओपन का चौथा दौर शामिल है। शेल्टन द्वारा अपनी पिछली दो बैठकें जीतने के बाद, पॉल ने शनिवार रात को अपना बदला लिया।

पॉल ने मैच के पहले गेम में शेल्टन की सर्विस को धमकी देकर माहौल तैयार कर दिया। 26 वर्षीय खिलाड़ी की गेंद तुरंत नहीं टूटी, लेकिन उन्होंने लेफ्टी की गेंद को खतरे में डालने की अपनी क्षमता दिखाई।

पॉल ने ऑल-अमेरिकन क्लैश के बाद कहा, एच वास्तव में एक कठिन खिलाड़ी है। जाहिर तौर पर उसकी सर्विस अविश्वसनीय है। हमने खेला है, इसलिए गेंद को थोड़ा और मेरे स्ट्राइक जोन में रखा।

लेकिन मुझे पता था कि मुझे कोर्ट में बहुत सारी गेंदें खेलनी होंगी। यही कुंजी है, आप उसे कुछ भी नहीं दे सकते अन्यथा वह

फायदा उठाएगा। मुझे लगा कि मैंने वास्तव में अच्छा काम किया है, लेकिन अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। जैसा कि मैं चाहता हूं, लेकिन किसी तरह उन सर्विस गेम्स में से बहुत सारे को खत्म कर दिया, इसलिए यह बहुत बड़ा था।

एटीपी आंकड़ों के अनुसार, 2021 स्टॉकहोम चैंपियन पॉल ने अपने सभी तीन ब्रेक पॉइंट बचाए और अपने रिटर्न पॉइंट का 44 प्रतिशत जीता।

पॉल ट्रॉफी के लिए रविवार को अपने देश के मार्कोस गिरोन से खेलेंगे। गिरोन ने चौथे वरीय फॉर्म में चल रहे लेफ्टी एड्रियन मन्नारिनो को 6-1, 6-3 से हराकर अपने दूसरे एटीपी टूर फाइनल में प्रवेश किया।

बर्नले पर 3-1 की जीत के साथ शीर्ष पर लिवरपूल

लिवरपूल, डियोगो जोटा, लुइस डियाज़ और डार्विन नुनेज के गोलों की बदौलत बर्नले पर 3-1 की जीत के साथ लिवरपूल ने तालिका में शीर्ष स्थान पर अपनी जगह बना ली है।

दिन की शुरुआत मैनचेस्टर सिटी की एवर्टन के खिलाफ 2-0 की जीत के साथ हुई। साथ ही इसके बाद लिवरपूल के पास मौका था एक जीत के साथ फिर से तालिका में नंबर-1 बनने का।

जोटा के 31वें मिनट के ओपनर ने शनिवार की रात लिवरपूल को मैच में आगे किया। हालांकि, ओशिआ ने पहले हॉफ से ठीक पहले गोल कर बर्नले को बराबरी पर रखा। हालांकि, दूसरे हाफ के शुरुआती चरण में डियाज़ ने टीम को बढ़त दिलाई और नुनेज़ ने जल्द ही जीत भी पक्की कर ली।

धीमी शुरुआत के बाद लिवरपूल ने दबाव बनाना शुरू कर दिया। बर्नले के पास जल्दी-जल्दी स्कोर बराबर करने के तीन बेहतरीन मौके थे, लेकिन वो ऐसा नहीं कर पाए। लिवरपूल के लिए योगो जोटा (31), लुइस डियाज़ (52) और डार्विन नुनेज (79) ने गोल किये , जबकि बर्नले के लिए एकमात्र गोल डारा ओसिहा (45) ने किया। एनफील्ड में लगातार तीसरी लीग जीत से लिवरपूल के 54 अंक हो गए हैं, जो दूसरे स्थान पर मौजूद मैनचेस्टर सिटी से दो अधिक हैं, जबकि बर्नले 13 अंकों के साथ 19वें स्थान पर है। वहीं ल्यूटन टाउन 17वें स्थान से सात अंक पीछे है।

ब्राजील के पूर्व स्ट्राइकर डिएगो ने लिया संन्यास

रियो डी जनेरियो, ब्राजील के पूर्व अंतर्राष्ट्रीय स्ट्राइकर डिएगो सूजा ने पेशेवर फुटबॉल से संन्यास की घोषणा की है, जिसके साथ उन्होंने 20 साल से अधिक लंबे अपने करियर का अंत कर दिया है।

रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल दिसंबर में स्पोर्ट रेसिफ़ से अलग होने के बाद 38 वर्षीय खिलाड़ी किसी भी क्लब से जुड़े हुए नहीं थे।सूजा ने बताया, अब से मैं केवल टेलीविजन पर या स्टैंड में फुटबॉल का अनुसरण करूंगा।मैं अपने बच्चों और अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताना चाहता हूं। मेरा करियर अच्छा रहा और मैंने खेल में जो कुछ भी हासिल किया है उसके लिए मैं आभारी हूं।सूजा ने 2003 में फ्लुमिनेंस में अपना करियर शुरू किया और बेनफिका, फ्लेमेंगो और मेटलिस्ट खार्किव सहित अन्य क्लबों में भी काम किया। उन्हें ब्राज़ील की राष्ट्रीय टीम के लिए सात मैच खेले हैं और दो गोल किए।

जयन्त

संस्थापक

नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक और

सम्पादक

नागेन्द्र उनियाल

द्वारा जयन्त प्रकाशन डिग्री कॉलेज रोड़, जौनपुर कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा जयन्त कार्यालय चन्द्रसिंह गढ़वाली मार्ग, गैरसैंण, जनपद चमोली उत्तराखण्ड से प्रकाशित

RNI No.UTTHIN/2005/16338